दैनिक प्रातः कालीन भारत सरकार से रजिस्टर्ड हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित

RNI NO- UPBIL/2021/83001

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

KNLS Live
सम्पर्क करे:-9027776991
न्यूज़ पोर्टल बनवाये 2999 में
न्यूज़ पेपर डिजाइन कराये कम दाम में

वर्ष :- 03 अंक :- 190 मुरादाबाद, 29 October 2023 (Sunday) पृष्ठ :- 08 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

संक्षिप्त समाचार

सामूहिक आत्महत्या: सूरत में एक ही परिवार के सात लोगों ने की आत्महत्या, मरने वालों में तीन बच्चे भी शामिल

गुजरात के सूरत में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। जहां एक ही परिवार के सात लोगों ने आत्महत्या की है। मरने वालों में तीन बच्चे भी शामिल हैं। घटना सूरत के पालनपुर जकातनाक रोड की है। जहां शनिवार सुबह पूरे परिवार ने आत्महत्या कर ली। पुलिस की जांच में पता चला है कि परिवार के छह लोगों की मौत जहर खाने से हुई है। वहीं एक सदस्य ने फांसी लगाई है। मृतकों की पहचान मनीष सोलंकी, उसकी पत्नी रीता, मनीष के पिता कानू, माता शोभा और तीन बच्चे दिशा, काव्या और कुशल शामिल हैं। पुलिस की जांच में पता चला है कि परिवार के छह लोगों की मौत जहर खाने से हुई है। वहीं एक सदस्य ने फांसी लगाई है। मनीष का शव पंखे से लटकता मिला है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पुलिस ने मौके से सुसाइड नोट भी बरामद किया है। इस सुसाइड नोट में मनीष सोलंकी ने आर्थिक संकट की बात कही है। ऐसी भी आशंका है कि मनीष ने अन्य परिजनों को जहर देकर मारा और फिर खुद भी फांसी के फंदे से लटककर जान दे दी। मनीष सोलंकी का फर्नीचर का बिजनेस था और उसके साथ 35 कर्मचारी काम रहे थे। शनिवार को मनीष के साथ काम करने वाले कर्मचारियों ने उनसे संपर्क साधने की कोशिश की लेकिन जब कोई जवाब नहीं मिला तो घर जाकर देखा गया। स्थानीय लोग दरवाजा तोड़कर घर के अंदर घुसे तो सामूहिक आत्महत्या की घटना का खुलासा हुआ। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और घटना की जांच में जुट गई है। सूरत के डीसी राकेश बारोट ने कहा कि परिवार के सात लोगों ने आत्महत्या की है। मरने से पहले सुसाइड नोट लिखा गया था और हम उसकी जांच कर रहे हैं। ऐसा लग रहा है कि यह पूरी तरह से आर्थिक समस्या थी लेकिन आगे की जांच की जा रही है।

कानपुर को मिली 501 करोड़ की सौगात, योगी बोले- सपा बोलती कुछ है और करती कुछ है

सीएम योगी आदित्यनाथ कानपुर शहर को 501 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात देंगे। इसमें 260.92 करोड़ के 43 कार्यों का शिलान्यास व 240.08 करोड़ के 110 कार्यों का लोकार्पण शामिल है। कानपुर में शनिवार को राष्ट्रीय इंटर कॉलेज मैदान में आयोजित अनुसूचित जाति सम्मेलन में सीएम योगी आदित्यनाथ पहुंचे। सबसे पहले उन्होंने वाल्मीकि जी की प्रतिमा पर पुष्प चढ़ाकर दीप प्रज्जवलित किया। इसके बाद सीएम ने अरनव, दिव्यांशी और मोहक को खीर खिलाई। सीएम ने सबसे पहले बच्चों को गोद लिया। दिव्यांशी जैसे सीएम के गोद मे गई, तो खुश हो गई। सभी बच्चों को खिलौना भी दिया। साथ ही, सीएम ने नगर निगम की 100 कूड़ा गाड़ियों को हरी झंडी दिखाई। ये गाड़ियां घर-घर जाकर कूड़ा उठाएंगी। इसके बाद सीएम योगी ने 501 करोड़ की 153 परियोजनाओं का शिलन्यास और लोकार्पण किया।

उन्होंने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि सपा बोलती कुछ है और करती कुछ है। कानपुर कभी देश का उभरता हुआ शहर था, देश के आर्थिक संपन्न शहरों के रूप में जाना जाता था। पिछली सरकारों ने उसे तहस नहस कर दिया। आज मेट्रो का सफल संचालन हो रहा है। कानपुर डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग का हब भी बन रहा है। यहां पहले ही वर्ष में 38 हजार करोड़ के नए कार्यक्रम लेकर चल रहे हैं। कहा कि भाजपा सरकार कानपुर-बुंदेलखंड को उसका वैभव दिलाने के लिए कार्य कर रही है। कानपुर अर्थव्यवस्थाता का केंद्र बिंदु बनाया जा रहा है। वहीं, मंत्री व पूर्व आईपीएस असीम अरुण ने कहा कि अनसूचित वर्ग में कई जातियां हैं, जो समाज से अलग हैं। उन्हें भाजपा ने उनका हक दिलाया। सपा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि पिछली सरकारों में सिर्फ शोषण किया गया। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि पिछली सरकार में अनुसूचित वर्ग के साथ जमकर शोषण किया गया। जब चुनाव आता है, तब उन्हें अनुसूचित वर्ग याद आता है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा द्वारा गरीब कल्याण की बात करती है। अन्य पार्टियों ने दलित वर्ग को सिर वोट बैंक समझा जाता है। उनकी संख्या सिर्फ इसलिए बताई जाती है कि उनका वोट लेना है। कानपुर की धरती धन्य है, जहां महर्षि वाल्मीकि का आश्रम भी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को आयोजित कार्यक्रम में औरैया जिले को 688 करोड़ रुपये की सौगात दी। कार्यक्रम में उन्होंने महिलाओं की पेंशन बढ़ाने का भी वादा कियाकोई समाज तब तक स्वावलंबी व सशक्त नहीं हो सकता, जब तक समाज में आधी आबादी सुरक्षित व सम्मान के साथ जीवनयापन न कर रही हो। इसे ध्यान में रखकर प्रधानमंत्री ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को पूरी प्राथमिकता के साथ नई संसद का पहला सत्र मातृशक्ति को समर्पित किया। विधानसभा व लोकसभा में उनके लिए एक तिहाई सीटें रिजर्व हों और वे चुनकर आएं। यह बातें सीएम योगी आदित्यनाथ ने औरैया में कहीं। सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने महिलाओं को आश्वस्त किया कि निराश्रित बहनों के लिए पेंशन 1000 रुपये प्रतिमाह दी जा रही है, जिसे आने वाले समय में बढ़ाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर तिरंगा मैदान से जनपद को 688 करोड़ की 145 विकास परियोजनाओं की सौगात दी। सीएम ने कहा कि आधी आबादी को सम्मान दिए बिना विकास की योजनाओं का मूल्य अधूरा है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के अंतर्गत बेटी के जन्म लेने से स्नातक की पढ़ाई के लिए सरकार अब तक 15 हजार रुपए दे रही है। नए सत्र से इसे बढ़ाकर 25 हजार रुपये करने का निर्णय लिया जा चुका है। डबल इंजन की सरकार ने तय किया कि परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है तो बेटी की जिम्मेदारी सरकार लेगी। बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को दो यूनिफॉर्म, जूता, मोजा, बैग, किताब, स्वेटर देने की व्यवस्था तय कर दी गई है। पंजीकरण के साथ ही 1200 रुपये परिवार के अकाउंट में चले जाते हैं। सीएम ने कहा कि जातिवाद के नाम पर परिवारवाद को बढ़ावा देने वाले लोग आमजन को विकास कार्यों से वंचित रखते थे। हमने जाति-परिवार, क्षेत्र और भाषा के नाम पर सामाजिक तानेबाने को छिन्न-भिन्न करने का पाप नहीं किया। विजयादशमी के दौरान शांतिपूर्वक सभी कार्यक्रम हुए। 2017 के पहले पर्व-त्योहार आशंकाओं को लेकर आता था पर साढ़े छह वर्ष में त्योहार उत्साह-उमंग से मनाए जाते हैं। जनपदों में 50 हजार से अधिक मूर्तियां बैठीं पर एक भी जगह अव्यवस्था नहीं हुई। सीएम ने कहा कि इस वर्ष की दीपावली काफी शुभ होगी, क्योंकि इस दिन से प्रदेश के हर घर, देवस्थल पर दीपोत्सव से जुड़ेंगे।

यह कार्यक्रम तब तक चलना चाहिए, जब तक भगवान श्रीराम अपने भव्य मंदिर में विराजमान न हो जाएं। अयोध्या में भव्य मंदिर निर्माण कार्य चल रहा है। 22 जनवरी को जैसे ही प्रधानमंत्री के करकमलों से यह कार्यक्रम संपन्न होगा, अगले दिन से हम लोग जनपदों से रामभक्तों को दर्शन के लिए वहां ले जाने का कार्यक्रम बनाने जा रहे हैं। इस अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद गीता शाक्य, महिला व बाल विकास मंत्री बेबीरानी मौर्य, औरैया के प्रभारी मंत्री डॉ. संजय निषाद, इटावा के सांसद डॉ. रामशंकर कठेरिया, कन्नौज के सांसद सुब्रत पाठक, विधायक गुड़िया कठेरिया, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल आदि मौजूद रहे।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह बोले - मैं आरएसएस का कार्यकर्ता हूं, संघ के आदेश को कभी नहीं टालता

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने लखनऊ में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के पूर्व प्रचारक संकठा प्रसाद के जीवन पर आधारित पुस्तक का विमोचन किया। इस अवसर पर उन्होंने पूर्व प्रचारक व किसानों की समस्या पर अपने विचार रखे। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि मैं राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का कार्यकर्ता हूं। मैं संघ के आदेश को कभी नहीं टालता। जब मुझे इस बात की सूचना दी गई कि ठाकुर संकठा प्रसाद के व्यक्तित्व पर प्रकाशित पुस्तक का विमोचन होना है तो मैं व्यस्तता के बावजूद आ गया। रक्षामंत्री आरएसएस के प्रचारक स्वर्गीय ठाकुर संकठा प्रसाद के जीवन पर आधारित

पुस्तक के विमोचन के अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि ठाकुर संकठा प्रसाद अनुशासन के मामले में बेजोड़ हैं। पुस्तक का शीर्षक कर्मयोगी संकठा प्रसाद है लेकिन वह निष्काम कर्मयोगी थे। उनकी कड़क आवाज में भी अपनापन था। जो व्यक्ति मन का बड़ा होता है वह लोगों के दिल को जीत लेता है वह खुद भी आनंदित रहता है और लोगों को भी खुश रखता है। संकठा प्रसाद छोटे मन के नही थे। बड़े मन का व्यक्ति आध्यात्मिक होता है। इसका मतलब यह नहीं कि वह मंदिर या धर्मस्थल पर जाए। ठाकुर साहब का मन बड़ा था। मैं कह सकता हूं कि संकठा जी का पुनर्जन्म नही होगा, उन्हें मोक्ष प्राप्त होगा। उन्होंने राष्ट्रधर्म का पालन किया। वह संघ के स्वयंसेवक थे, किसान संघ में भी उन्होंने राष्ट्र के लिए काम किया। उन्होंने कहा था कि किसान खुशहाल होगा तो देश खुशहाल होगा। कृषि ऋण पर 14 से 18 फीसदी ब्याज 4 प्रतिशत करना चाहिए। यह उनका भी सुझाव था। किसान कॉल सेंटर भी उनके मार्गदर्शन से शुरू हुआ कराया गया था।

किसानों को उपज का मूल्य दिलाने को लेकर थे चिंतित

मोहिनी मोहन मिश्र ने कहा कि स्वर्गीय ठाकुर संकठा प्रसाद के बारे में सोचते है तो लगता है उनकी यह यात्रा इतनी सहज नहीं होगी लेकिन वह बहुत सरल और सहज व्यक्तित्व के धनी थे। कभी कठोर तो कभी नरम थे। नारियल की तरह बाहर से बहुत कठोर और अंदर से बहुत नरम थे। संघ से किसान संघ बनाने की राह में कितने कांटे उन्हें चुभे होंगे इसकी कल्पना की जा सकती है। उनके मन मे कष्ट था कि किसानों को लाभकारी मूल्य नहीं मिल रहा है। मानस में ही नहीं है कि किसानों को अच्छा मूल्य मिल जाए। इस मानस को बदलने के लिए वह चिंतित थे।

हम किसानों का कर्जा फिर करेंगे माफ, कोंडागांव में BJP पर बरसे राहुल, बोले- पहली ही बैठक में लिया था फैसला

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हमने धान के लिए छत्तीसगढ़ के किसान को 2500 प्रति क्विंटल देने का वादा किया था लेकिन आज 2640 रुपये प्रति क्विंटल मिल रहा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि हमारी नीयत साफ है। इसीलिए हमने आपके कहे बिना ही उसे बढ़ा दिया और कुछ ही समय में यह धीरे-धीरे 3000 रुपये हो जाएगा।छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव का बिगुल बजने के बाद राजनीतिक दलों ने चुनावी अभियान को तेज कर दिया। इस बीच कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को कोंडागांव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने हर बैंक खातों में 15-15 लाख रुपये डालने की बात कही थी। इस तरह से कई अलग-अलग वादें किए, लेकिन उन्होंने एक भी वादा पूरा नहीं किया। मैं यहां पर कोई झूठा वादा करने नहीं आया हूं। मैं जो कहता हूं वो करके दिखा देता है।धान खरीद कीमत- कांग्रेस नेता ने कहा कि हमने धान के लिए छत्तीसगढ़ के किसान को 2500 प्रति क्विंटल देने का वादा किया था, लेकिन आज 2640 रुपये प्रति क्विंटल मिल रहा है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि हमारी नीयत साफ है। इसीलिए हमने आपके कहे बिना ही उसे बढ़ा दिया और कुछ ही समय में यह धीरे-धीरे 3,000 रुपये हो जाएगा। किसानों की करेंगे कर्जमाफी- उन्होंने कहा कि हमने पिछले बार किसान का कर्जा माफ करने की बात कही थी, लेकिन भाजपा ने कहा कि एक-दो साल में नहीं होगा, परंतु पहली कैबिनेट मीटिंग में किसानों की कर्जमाफी की। इससे 19 लाख किसानों को फायदा मिला। हमने 10,000 करोड़ रुपये की कर्जमाफी की और यही वादा एक बार फिर मैं कर रहा हूं। कांग्रेस कहा कि 26 लाख किसानों को 23,000 करोड़ रुपये किसान न्याय योजना के तहत दिया गया।कांग्रेस का बड़ा एलान- इससे पहले राहुल गांधी ने कांकेर में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मौजूदगी में एक रैली को संबोधित करते हुए बड़ा एलान किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के सभी सरकारी स्कूलों और कॉलेजों में केजी से लेकर पीजी तक मुफ्त शिक्षा मिलेगी।

कृषि मंत्री रहकर कुछ नहीं किया, PM Modi के तंज पर शरद पवार का पलटवार, बोले- ध्यान में रखना चाहिए संवैधानिक पद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा तंज कसे जाने के बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) सुप्रीमो शरद पवार ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री का पद एक महत्वपूर्ण पद है पीएम को अपने संवैधानिक कद को ध्यान में रखते हुए कोई भी बयान देना चाहिए। मालूम हो कि जब केंद्र में कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार (2004-14) थी तब पवार कृषि मंत्री थे। शरद पवार ने पीएम मोदी के तंज पर दिया जवाब- पीएम के डर ने इस बयान के लिए किया मजबूर- शरद पवार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा तंज कसे जाने के बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) सुप्रीमो शरद पवार ने शनिवार को कहा कि पीएम को अपने संवैधानिक कद को ध्यान में रखते हुए बयान देना चाहिए।

पद की गरिमा ध्यान रखते हुए दूंगा जवाब

शरद पवार ने मुंबई में एक प्रेस वार्ता में कहा, प्रधानमंत्री का पद एक महत्वपूर्ण पद है। एक प्रधानमंत्री को अपने संवैधानिक कद को ध्यान में रखते हुए बयान देना चाहिए। मुझे नहीं पता कि उन्होंने मुझे क्यों निशाना बनाया, लेकिन मुझे लगता है कि उन्होंने जो कुछ भी कहा वह इस तथ्य के कारण है कि उन्हें सही तरीके से जानकारी नहीं दी गई थी। पीएम ने मुझ पर जो भी बयान दिया है, मैं पीएम पद के महत्व और गरिमा को ध्यान में रखते हुए उस पर जवाब दूंगा।

UPA सरकार में थे कृषि मंत्री

जब केंद्र में कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार (2004-14) थी, तब पवार कृषि मंत्री थे। यूपीए सरकार में कृषि मंत्री रहे शरद पवार पर हमला बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा था कि जहां बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार सक्रिय रूप से किसानों को सशक्त बना रही है, वहीं महाराष्ट्र में कुछ लोग किसानों का प्रतिनिधित्व करने की आड़ में राजनीतिक गतिविधियों में लगे हुए हैं।

पीएम के डर ने इस बयान के लिए किया मजबूर

शरद पवार ने यह भी दावा किया कि सत्ता खोने के डर ने पीएम को ऐसी टिप्पणी करने के लिए प्रेरित किया होगा। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री शिरडी में साईं बाबा के दर्शन के लिए गए थे, वहां शरद पवार के दर्शन करने की क्या जरूरत थी। अगर आप देशव्यापी तस्वीर देखें, तो ऐसे कई राज्य हैं, जहां भाजपा सत्ता में नहीं है या उनकी सरकार नहीं है। सरकार अन्य दलों में कुछ तोड़फोड़ के बाद आई है और जहां भी भाजपा सरकार है, वे कमजोर स्थिति में हैं। इस कमजोरी और सत्ता खोने के डर ने उन्हें (पीएम) ऐसे बयान देने के लिए मजबूर किया होगा।

अपनी परेशानियों का किया जिक्र

इसके अलावा, राकांपा सुप्रीमो ने कांग्रेस शासन के तहत कृषि मंत्री के रूप में अपने 10 साल के कार्यकाल के दौरान सामना की गई संकट की स्थिति के बारे में बताया। पवार ने कहा, मैं कृषि मंत्री के रूप में मेरे कार्यकाल के बारे में शिरडी में पीएम मोदी द्वारा दिए गए बयानों पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहता हूं। मैं 2004 से 2014 तक 10 वर्षों तक कृषि मंत्री था। कृषि मंत्री के रूप में मेरे कार्यकाल के पहले दिन ही मेरे सामने संकट खड़ा हो गया था। उन्होंने कहा, मुझे सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लिए खाद्यान्न के आयात के लिए एक दस्तावेज पर हस्ताक्षर करना था, अगर वह समय पर नहीं किया जाता तो हमारा पीडीएस वितरण रोक दिया जाता।

संपादकीय Editorial

Again india vs india

The National Council of Educational Research and Training (NCERT) has recommended that the word 'Bharat' be used in place of 'India' in the syllabus. At present it is limited to the thinking and recommendations of a committee. Article 1 of the Constitution mentions 'India, which is India'. That is, both the words were acceptable to our constitution-makers and they were considered mutually complementary. Even after 76 years of independence, there is a section which considers these two words as contradictory. Considers 'India' as a colonial relic. 'India' has been explained by linking it to the Greek language, pronunciation, Alexander and the Indus Valley Civilization. What have we to do with such ancient history, language and its influences? How long will we remain dependent on foreigners? India is an independent, sovereign, democratic nation, with its own unanimous Constitution. We believe that all discussions should be held after 1947 only. The process of converting 'India' into 'Bharat' cannot be implemented by any organization or council. For that, a proposal to amend the Constitution will have to be passed in the Parliament. If NCERT wants to teach students the proper history of our freedom movement, then it should be compiled in separate volumes from 1857 to 1947 and written afresh. This is a very extensive and tedious task and also requires sufficient time. In the context of this history-writing, the periods of British rule will also come automatically, hence 'one sect, two causes' can be said.

We believe that everything in the school curriculum should be in the abstract. The remaining and detailed studies can be done by students during higher education, as per their interest. There is no justification in continuing to harp on the past like the ancient period, the ancient period, the Stone Age, the Mughal period. These should be left to researchers in the context of different histories. The tender minds of school students should not be polluted. There is nothing to be gained from reading such history except bitterness and hatred. The campaign of 'India' versus 'Bharat' is also meaningless. Is this being done in view of nationalism, Hinduism, Hindivad or does it have any cultural significance? Of course, our roots, our identity and our cultural heritage lie in 'India' only. 'Bharatam' is mentioned in Vishnu Purana, Brahmapurana and many ancient religious texts. But our country has also been addressed by names like 'Aryavarta', 'Hind', 'Hindustan', 'Bharatkhand', 'Himvarsh' etc. No one has any objection. Apart from 'Bharat', there are many mythological stories associated with 'India' also. Indumati was the wife of King Aja of Ayodhya and mother of Dasharatha. When King Ram sat on the throne of Ayodhya, the name of Grandmother Indumati was also prevalent during his period, which we today call 'India'. The name 'Bharat' was named after Bharat, the younger brother of King Ram. Legend also has it that the name of the son of King Dushyant and Shakuntala was also 'Bharat'. Rishi Kanva had blessed him to become 'Chakravarti Samrat', hence on his basis we became 'India'.

Bharat, the 'Chakravarti' son of the first Tirthankara of Jainism, Rishabhdev, was a world-conquering emperor, hence the country was named 'Bharat'. However, both the terms are popular.

Population: Troubled by the aging population, Europe and India should also prepare to meet this challenge.

The effects of increasing elderly population in countries like Europe and Japan will be far-reaching. In India too, the elderly population is expected to increase by 2050. In any country, as the number of elderly i.e. people above 65 years of age increases, there is a decrease in savings, decline in labor force and decrease in investment rate. In this context, the population of elderly people in Europe has increased so much that the people there are facing many problems, among which economic and social problems are more important. The challenges that Europe is facing today due to the increase in the number of elderly people, other countries will have to face in 2064. The latest report of the World Health Organization (WHO) states that in Europe, in the year 2024, the number of elderly people above 65 years of age will be more than that of teenagers under 15 years of age. It is noteworthy that in 2022, 21.1 percent of the population of the European Union was 65 years of age or older. According to this WHO report, to deal with the current negative situation, the people of Europe will have to change their lifestyle and habits. Due to longer life expectancy, while the elderly population in Europe is increasing, the birth rate of children is decreasing drastically. WHO says that in Europe and countries where the elderly population is high, the elderly will have to participate in sports and cultural activities more time per day. They will have to do at least 150 minutes of exercise every week, only then they will be able to remain healthy and participate in economic, social and cultural activities. WHO also says that being physically active can reduce the risk of death by 35 percent. With the increase in the number of elderly people, changes are visible at the economic, social and cultural level in European countries. For example, the decline in youth population has reduced the physical capacity of the workforce, leading to decline in production, slowing economic activity and higher expenditure on health, thereby weakening the economy. Apart from Europe, Japan is also troubled by the increasing population of elderly. According to the recent report of WHO, the number of elderly people aged 100 or more in Japan has exceeded 92 thousand. America is also troubled by long life expectancy, low birth rate, increased health care costs, as expenditure on public health is increasing there. Due to this there has been a huge reduction in the number of workers there. America's dependence on other countries for workers has increased. Industries have also been negatively impacted. Cases of loneliness and depression are being seen among children, teenagers and youth. Due to the adoption of one child policy to control the population in the year 1980, the youth population in China has decreased and the number of elderly has increased drastically. According to the United Nations Population Division, China's labor population will be reduced to only 548 million in the next century. The decline in the labor force will have a negative impact on the country's infrastructure, which is a driver of development. However, India is untouched by this problem. In India, the elderly population of 5.5 percent in 2011 will increase to 15.2 percent by the year 2050, while in the year 2050, the elderly population will be 32.6 percent in China and 23.2 percent in America. In India, by the year 2050, the elderly population will constitute one-fifth of the total population in four southern states, Andhra Pradesh, Kerala, Karnataka and Tamil Nadu. The number of youth population in the states like Uttar Pradesh, Rajasthan, Assam, Bihar, Haryana etc. will be high in the year 2050, due to which the migration of youth from these states to the southern states will continue. Due to such changes, the pressure on the infrastructure of the southern states may also increase and changes may be seen in the social and cultural level. Even though its overall impact is not visible from the economic, social and cultural perspective, its far-reaching impact cannot be ruled out. Therefore, European countries, Japan, China and America need to make new policies in the changed environment and implement them concretely.

Assessment: Pakistan's political equations between Nawaz and Imran are interesting

The army brought Nawaz Sharif to deal with Imran, but the crowd in Lahore did not welcome him. Nawaz may not even be able to contest elections due to corruption cases. In that case, Shahbaz's luck may change. The problem of the army is that it has no match to Imran's popularity. There is a popular saying in Punjab - 'Lahore Lahore Aye'. After that the saying 'Jin Lahore Nayi Vekhya O Jamya Nayi' is famous. Lahore people are very proud of themselves and they feel that no other city in Pakistan is better than Lahore. But all that is changing, as we saw this week, when the citizens of Lahore refused to welcome their lion and exiled leader Mian Nawaz Sharif after his return from four years of self-imposed exile. As a result, Pakistan Muslim League-Nawaz (PML-N) had to depend on the crowd coming from different cities of Punjab. The people of Lahore have been voting for PML-N for decades and the provincial capital has been a stronghold of the Sharif family. But everyone noticed that the common Lahori supporters were missing and the business of the city was going on as usual, with no one having any idea of what was happening at the Minar-e-Pakistan ground. PML-N has become so unpopular in Lahore city that in the by-elections, Imran Khan's party PTI won every seat not only in Lahore but also in the surrounding constituencies. The elite people of Lahore are firmly in the PTI camp. It seems that we are once again returning to 2018, when the security establishment installed a new face, Pakistan Tehreek-e-Insaf Party leader Imran Khan, as the Prime Minister in the hope that through him he would rule Pakistan. Could. Direct martial law is no longer popular or tolerated inside or outside Pakistan. Instead of this, it is easier to install one's puppet in the Prime Minister's Office and run the government through him. But as soon as Imran Khan settled down after a few years, he tried to show himself independent from the army. First of all, he wanted to nominate his man to the post of Director General of ISI and shuffle the generals in the Army Headquarters, so that he could install his man on the post of the most powerful person in Pakistan, the Army Chief. The security establishment could not tolerate this and behind the scenes, the then Army Chief General Qamar Javed Bajwa got a no-confidence motion against Imran Khan in the Parliament, where for the first time in the short history of parliamentary democracy, an elected leader of the House could be removed through a no-confidence motion. is removed. Now the security establishment is working on its second plan (Plan B). This time he has chosen Nawaz Sharif as his 'military toy'. However, Nawaz Sharif is still fighting against the sentence in the courts and is yet to be acquitted of the charges. These days he is on bail, but the most powerful people have made his life easy. Even after being convicted in two corruption cases, he has been given VVIP protocol. One army chief, General Bajwa, facilitated his exile due to health reasons, while the other army chief, General Asim Munir, arranged for his smooth return. But it is quite clear that Nawaz Sharif will have to overcome many legal hurdles before reaching the post of Prime Minister for the fourth time. These are mostly legal issues related to his eligibility, due to which he may not be allowed to contest elections, as he is still a convicted politician and there is no guarantee that the courts will acquit him. Not acceptable. Despite being in jail, Imran Khan's popularity remains intact. He still has a chance to make a comeback if there are fair and free elections. But even if PTI is not banned and it participates in the elections, the party has no face to lead outside the jail. The major challenge for the security establishment before the elections is that it has no option to deal with the popularity of Imran Khan.Not acceptable. Despite being in jail, Imran Khan's popularity remains intact. He still has a chance to make a comeback if there are fair and free elections. But even if PTI is not banned and it participates in the elections, the party has no face to lead outside the jail. The major challenge for the security establishment before the elections is that it has no option to deal with the popularity of Imran Khan.. If Nawaz Sharif is disqualified from contesting the elections, Shehbaz's fortunes may shine as the security establishment would not want to make an untested face like Maryam Sharif the Prime Minister. In fact, if a young and new face is to be appointed to the Prime Minister's Office, then Pakistan Peoples Party chief Bilawal Bhutto has more experience, as he was the foreign minister in the previous cabinet. Apart from this he is a more popular and respected leader than other politicians. Not acceptable. Despite being in jail, Imran Khan's popularity remains intact. He still has a chance to make a comeback if there are fair and free elections. But even if PTI is not banned and it participates in the elections, the party has no face to lead outside the jail. The major challenge for the security establishment before the elections is that it has no option to deal with the popularity of Imran Khan.. If Nawaz Sharif is disqualified from contesting the elections, Shehbaz's fortunes may shine as the security establishment would not want to make an untested face like Maryam Sharif the Prime Minister. In fact, if a young and new face is to be appointed to the Prime Minister's Office, then Pakistan Peoples Party chief Bilawal Bhutto has more experience, as he was the foreign minister in the previous cabinet. Apart from this he is a more popular and respected leader than other politicians.The way the security establishment is trying to keep Imran Khan away from the elections is shocking to many people in Pakistan. Not acceptable. Despite being in jail, Imran Khan's popularity remains intact. He still has a chance to make a comeback if there are fair and free elections. But even if PTI is not banned and it participates in the elections, the party has no face to lead outside the jail. The major challenge for the security establishment before the elections is that it has no option to deal with the popularity of Imran Khan.Not acceptable. Not acceptable. Despite being in jail, Imran Khan's popularity remains intact. He still has a chance to make a comeback if there are fair and free elections. But even if PTI is not banned and it participates in the elections, the party has no face to lead outside the jail. The major challenge for the security establishment before the elections is that it has no option to deal with the popularity of Imran Khan.Despite being in jail, Imran Khan's popularity remains intact. He still has a chance to make a comeback if there are fair and free elections. But even if PTI is not banned and it participates in the elections, the party has no face to lead outside the jail. The major challenge for the security establishment before the elections is that it has no option to deal with the popularity of Imran Khan.Not acceptable. Despite being in jail, Imran Khan's popularity remains intact.ctions. But even if PTI is not banned and it participates in the elections, the party has no face to lead outside the jail. The major challenge for the security establishment before the elections is that it has no option to deal with the popularity of Imran Khan.

बेसिक शिक्षा मंत्री द्वारा उत्कृष्ट कार्य के लिए शिक्षकों को किया गया सम्मानित

क्यूँ न लिखूँ सच
मौ.युसूफ

मुरादाबाद जनपद के शिक्षक कुलदीप कुमार एवं हेमवती ने किया प्रतिभाग मुरादाबाद।जनपद के विकास खण्ड डिलारी के अन्तर्गत उच्च प्राथमिक विद्यालय इग्राह कंपोजिट के प्रभारी प्रधानाध्यापक कुलदीप कुमार एवं विकास खण्ड छजलैट के अन्तर्गत उच्च प्राथमिक विद्यालय छजलैट की प्रधानाध्यापिका हेमवती को कल्याण सिंह हैबिटेट सेन्टर अलीगढ़ में मिशन शिक्षण संवाद और बेसिक शिक्षा विभाग अलीगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में प्रदेश भर के 250 बेसिक शिक्षकों की दो दिवसीय निपुण कार्यशाला के समापन समारोह में बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह द्वारा सम्मानित किया गया कुलदीप कुमार द्वारा अवगत कराया गया कि शिक्षकों द्वारा अपने शैक्षिक अनुभव प्रदेश भर के प्रतिभागियों के साथ साझा किए।

शिक्षकों द्वारा कार्यशाला में प्रतिभागियों ने शिक्षण में बहुउपयोगी सामग्री सहित टीएलएम की प्रदर्शनी भी लगाई। शिक्षण संवाद के संयोजक अवनिन्द्र जादौन ने टीम मिशन शिक्षण संवाद के विभिन्न पटलों के कार्यों का परिचय दिया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राकेश सिंह ने दो दिवसीय कार्यक्रम की रूप-रेखा प्रस्तुत की।कार्यक्रम में मिशन शिक्षण संवाद के संस्थापक विमल कुमार, संयोजक अवनिन्द सिंह, कार्यक्रम संयोजक रविन्द्र सिंह, मिशन शिक्षण संवाद अलीगढ़ के एडमिन यतेन्द्र सिंघल एवं प्रिया शर्मा आदि का सराहनीय योगदान रहा।

तीन मंजिला घर में लगी आग, सारा सामान जलकर राख, फंसे 12 लोगों को बचाया सुरक्षित

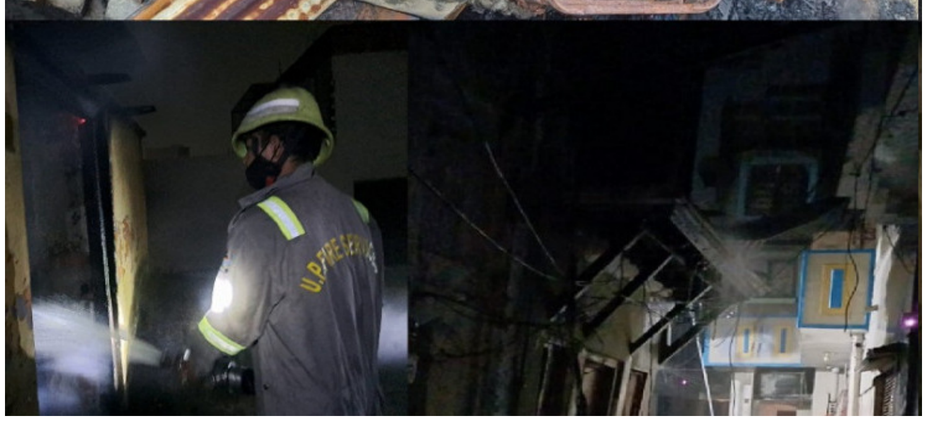

मुरादाबाद- लोहागढ़ में प्रकाश रस्तोगी के घर लगी आग बुझाते अग्निशमन दल के जवान और घर में रखा सामान जलकर राख लोहागढ़ में जैन मंदिर के पास के निवासी प्रकाश रस्तोगी के घर आग लग लग गई। तीन मंजिला मकान में शुक्रवार रात के तीन बजे घर के ऊपरी दो मंजिल के भवन में आग लग गई थी। अग्निशमन दल को आग बुझाने में तीन घंटे का समय लग गया। सुबह छह बजे आग बुझ पाई। आग बुझाने में पांच अग्निशमन वाहन (टेंडर) लगे थे। आग कैसे लगी, इस संबंध में अग्निशमन अधिकारी ज्ञान प्रकाश शर्मा ने बताया कि प्रकरण की जांच की जा रही है। बताया कि मकान में 12 लोग फंसे थे, इन्हें सुरक्षित निकालकर बचाया भी गया है। आग लगने का मंजर इतना भयावह था कि मकान में फंसे लोग बचाव के लिए चिल्ला रहे थे। पूरे भवन में धुआं भर था। सकरी गली वाले मकान के आसपास के घरों के प्रभावित होने की सभावना हो गई थी। लोग अपने घरों से बाहर सड़क पर आ गए थे। जिस घर में आग लगी थी, वह काफी पुराना था। छत में लकड़ी की बल्लियों के सहारे थी, ये बल्लियां भी जलकर राख हो गई थीं। आग लगने से गृह स्वामी को लाखों रुपये की कीमत का नुकसान हुआ है।

छज्जों से गिर रहा था आग का लावा, मुश्किल था खुद का बचाव

अग्निशमन अधिकारी ज्ञान प्रकाश शर्मा ने बताया कि घटनास्थल काफी सकरी गली में था। रास्ते के दोनों साइड के मकान के छज्जे पास में जुड़े थे। मौके पर पहुंचने का रास्ता ऐसा था

कि बाइक तक मुड़ नहीं सकती थी। ऐसे में घटनास्थल से 300 मीटर दूर अग्निशमन वाहन खड़े कर 400 मीटर तक पाइप बिछानी पड़ी। मकान की दूसरी व तीसरी मंजिल के छज्जों की लकड़ियों की बल्लियां जलकर आग का लावा नीचे गिर रहा था। ईंटे भी चिटकर आग से लाल होकर नीचे गिर रही थीं। ऐसे में कर्मचारियों को अपना भी बचाव करना मुश्किल पड़ने लगा था। लेकिन, प्रशिक्षित कर्मियों ने न सिर्फ अपना बचाव किया बल्कि आग पर काबू पाकर मकान में असुरक्षित लोगों को भी निकालकर सुरक्षित किया है।

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड मध्य प्रदेश, दिल्ली, बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर, जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

जीएस और गणित के सवालों में उलझे परीक्षार्थी, 17, 664 रहे अनुपस्थित

मुरादाबाद- जिले में 47 केंद्रों पर हुई उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी), पहली पाली में 13,235 और दूसरी पाली में 13,549 परीक्षार्थियों ने दी परीक्षा, नोडल अधिकारी, सेक्टर व स्टेटिक मजिस्ट्रेटों ने की निगरानी उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) शनिवार को जिले में 47 केंद्रों पर नोडल अधिकारी व सेक्टर मजिस्ट्रेट की निगरानी में शांतिपूर्वक हुई। परीक्षार्थी जीएस (सामान्य अध्ययन) और गणित के सवालों में उलझे।

उनका कहना है कि दोनों विषय के सवाल अपेक्षा से ज्यादा कठिन थे। पहली पाली में 13,235 और दूसरी पाली में 13,549 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। दोनों पालियों में 44,448 परीक्षार्थियों का पंजीकरण था। शनिवार को 47 केंद्रों पर दो पाली में परीक्षा हुई। पहली पाली में सुबह 10 से 12 बजे तक परीक्षा कराई गई। इसमें 22,224 परीक्षार्थियों का पंजीकरण था। इनमें से 13,235 परीक्षार्थी उपस्थित रहे। 8,989 परीक्षार्थियों ने परीक्षा से किनारा किया। दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर 3 से 5 बजे तक कराई गई। पंजीकृत 22,224 में से 13,549 परीक्षार्थी उपस्थित और 8,675 अनुपस्थित रहे। दोनों पालियों में 44,448 परीक्षार्थियों का पंजीकरण था। इनमें कुल 26,784 उपस्थित रहे, जबकि 17, 664 परीक्षार्थियों ने परीक्षा से किनारा कर लिया। इस दौरान सभी स्कूलों में सुरक्षा को देखते हुए पुलिस मौजूद रही। परीक्षा नोडल अधिकारी व सेक्टर मजिस्ट्रेट और स्टेटिक मजिस्ट्रेट के निगरानी में नकलविहीन, शांतिपूर्ण व शुचिता के साथ हुई। मैंने इस परीक्षा के लिए काफी समय से तैयारी शुरू कर दी थी। परीक्षा में जीएस के सवाल अपेक्षा से ज्यादा कठिन आए। जिससे थोड़ी परेशानी हुई। - अमरजीत ,परीक्षा में अगर जीएस और रिजनिंग को मिला दिया जाए, तो करीब 60 से 70 प्रतिशत पेपर इन दोनों पर आधरित था। मैंने रिजनिंग के लिए खास तैयारी की। जिसका फायदा मिला। - शेखर ,मैथोडिस्ट स्कूल की ओर से परीक्षार्थियों के बेहतर सुविधा मिली। स्कूल के गेट पर बेल्ट, पर्स, चश्मा आदि रखने के लिए बेहतर प्रबंध थे। जिससे आसानी हुई। - मोहम्मद शोएब ,परीक्षा को लेकर काफी उत्साहित था। पेपर देख कर काफी संतुष्टि मिली। गणित के सवालों ने कुछ परेशान किया। गणित के सवाल काफी कठिन रहे। ओवरऑल देखा जाए तो पेपर को बेहतर कह सकते हैं। - शिव प्रताप सिंह

वैदिक अपहरणकांड : 84 दिन बाद न्यायालय में 700 पन्ने की चार्जशीट दाखिल

■ पांच अगस्त को हुआ था अपहरण, दूसरे दिन पुलिस मुठभेड़ में सकुशल बरामद हुआ था बच्चा

मुरादाबाद- 5 अगस्त की शाम को नवनीत गुप्ता के सात साल के बेटे वैदिक गुप्ता को अपहरण कर 40 लाख रुपये की फिरौती मांगने वाले तीनों आरोपियों के विरुद्ध विवचेक ने शुक्रवार को मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी के न्यायालय में चार्जशीट दाखिल कर दी है। 700 पन्ने की चार्जशीट में विवेचक ने अपराध साबित करने के लिए न्यायालय में पर्याप्त सुबूत पेश किए हैं। वैदिक के अपहरणकांड का मास्टरमाइंड कैलाश कश्यप था, जो सिविल लाइंस थाने का हिस्ट्रीशीटर भी है। आशियाना कॉलोनी डी-1-55 निवासी कैलाश के विरुद्ध सिविल लाइंस थाने में तीन केस पहले से दर्ज हैं। नवनीत के पड़ोसी अंकुश शर्मा और उसके साथी सिविल लाइंस के नवीन नगर निवासी शशांक मेहता उर्फ विक्की के साथ मिलकर वैदिक का अपहरण किया था। चार्जशीट में विवेचक सतीश कुमार शर्मा ने कहा है कि बेटे वैदिक गुप्ता के अपहरण और 40 लाख रुपये की फिरौती मामले में 6 अगस्त को फरौती के लिए अपहरण, साक्ष्य छिपाना, अपराधिक षडयंत्र के आरोप में अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की गई थी। वादी ने बताया था कि उनके बेटे को आरोपी सफेद रंग की वैगन-आर कार में बैठाकर ले गए हैं। पुलिस ने अपहरण के अगले दिन छह अगस्त की तड़के सुबह मुठभेड़ में आरोपी शशांक मेहता उर्फ विक्की, अंकुश शर्मा के कब्जे से अपहृत बालक वैदिक गुप्ता को सकुशल बरामद किया था। मौके से शशांक व अंकुश को गिरफ्तार भी किया गया था। बयान व सीडीआर की पड़ताल में तीसरा अभियुक्त कैलाश कश्यप पुत्र छोटन का नाम प्रकाश में आया था। प्राप्त साक्ष्य के आधार पर एफआईआर में अपराधिक षडयंत्र से संबंधित धारा की वृद्धि भी की गई थी। इसके बाद कैलाश कश्यप को 12 अगस्त को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। तीनों अभियुक्तों को पीसीआर पर लिए जाने के बाद भी फिरौती मांगने का साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से इन लोगों ने फिरौती मांगने को जिस मोबाइल से वादी नवनीत गुप्ता को फोन किया गया, उसे बरामद नहीं कराया। मामले में साक्ष्य छिपाने के आरोप में आइपीसी की धारा-201 की वृद्धि की गई। चार्जशीट में विवेचक ने कहा है कि तमाम गवाह, वादी के बयान, घटनास्थल का निरीक्षण, सीडीआर (काल डिटेल रिकॉर्ड), रिलेशन चार्ट व एकत्र सबूतों के आधार पर तीनों अभियुक्तों के विरुद्ध आरोप सत्य साबित हो रहे हैं।

प्रयोगशाला जांच पुष्टि, वैदिक के ही निकले बाल

विवेचक का दावा है कि अभियुक्तों के पास से अपहृत वैदिक गुप्ता के बाल भी बरामद हुए थे। जिनका डीएनए सैंपल विधि विज्ञान प्रयोगशाला मुरादाबाद में दाखिल किया गया और अभियुक्तों से मोबाइल फोन से अपहृत के पिता से 40 लाख रुपये की फिरौती मांगने की आवाज का मिलान कराने के लिए भी विधि विज्ञान प्रयोगशाला लखनऊ में सैंपल दाखिल किया गया था। इसकी परीक्षण रिपोर्ट नहीं आई है।

एंटीलार्वा का छिड़काव व फॉगिंग कराओ, शिव सैनिकों ने डीएम कार्यालय पर किया प्रदर्शन...दी भूख हड़ताल की चेतावनी

मुरादाबाद- शिवसैनिकों ने जिलाधिकारी कार्यालय पर डेंगू नियंत्रण के उपाय न होने पर किया प्रदर्शन शिवसेना के मंडल प्रमुख डा. रामेश्वर दयाल तुरैहा के नेतृत्व में शिव सैनिकों ने शनिवार को जिलाधिकारी कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया। सिटी मजिस्ट्रेट किंशुक श्रीवास्तव को ज्ञापन देकर डेंगू की रोकथाम के उपाय कराने की मांग की। मंडल प्रमुख ने कहा कि जिले में डेंगू बीमारी महामारी का रूप लेती जा रही है।

नगर निगम, स्वास्थ्य विभाग व जिला प्रशासन इसे रोकने में फेल है। अब तक हजारों लोग डेंगू की चपेट में आ चुके है। सैकड़ों की मृत्यु हो चुकी है। जिला प्रमुख गुड्डु सैनी ने कहा कि नगर निगम व स्वास्थ्य विभाग द्वारा एंटीलार्वा का छिड़काव व फागिंग नहीं कराई जा रही है। यदि शीघ्र ही एंटीलार्वा का छिड़काव व फागिंग नहीं कराई गई,जिम्मेदारों द्वारा बीमारी को काबू नहीं किया गया तो शिव सैनिक मंडलायुक्त कार्यालय पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल करेंगे। प्रदर्शन में जिलाध्यक्ष भवानी सेना मंजू राठौर, महानगर प्रमुख मनोज ठाकुर, युवा महानगर प्रमुख राकेश प्रजापति, बबिता सैनी, कपिल ठाकुर, अजय सैनी, प्रमोद सागर, ओमप्रकाश सैनी, ठाकुरदास, नेमवती चंद्रा, राकेश श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

उपायों का दिखा असर, स्वास्थ्य सेवाओं में बेहतरी से सुधरी जिले की रैंक, अमरोहा को 23वां स्थान

रैंक सूची - मुरादाबाद - 15 अमरोहा - 23 बिजनौर - 28 रामपुर - 37 सम्भल - 55

मुरादाबाद- स्वास्थ्य सेवाओं में बेहतरी से जिले की यूपी हेल्थ डैश बोर्ड की रैंक में उछाल आया है। मुरादाबाद मंडल में नंबर पर रहते हुए सितंबर की प्रगति रिपोर्ट के आधार पर जारी सूची में जिला पूरे प्रदेश में 15वीं रैंक पर है। जबकि अगस्त में 23वीं रैंक थी। इस बार पांच अंकों की उछाल से मंडल मुख्यालय नंबर एक पर है। जबकि मंडल में अग्रणी रहने वाला रामपुर जिला इस बार रैंकिंग सूची में 37वें पायदान पर है। प्रदेश में यूपी हेल्थ डैश बोर्ड की रैंकिंग में वाराणसी प्रथम और मुजफ्फरनगर दूसरे स्थान पर है। स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, शिशु मातृ दर में कमी, जनसंख्या नियंत्रण, टीकाकरण सहित 14 बिंदुओं पर बेहतर कार्य करने के मानक को देखते हुए यूपी हेल्थ डैश बोर्ड की रिपोर्ट प्रदेश के जिलों के लिए जारी होती है। सितंबर की रिपोर्ट में इस बार मंडल मुख्यालय मुरादाबाद 15वीं रैंक पर है। जबकि अगस्त में यह रैंक 23 थी। ग्रामीण क्षेत्र में हेल्थ एंड वेलनेस सेंटरों पर मरीजों का इलाज, नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर जांच व टीकाकरण आदि के प्रयासों में गंभीरता, जननी सुरक्षा और जनसंख्या नियंत्रण के उपायों पर लोगों को जागरूक करने के सकारात्मक परिणाम का असर रैंक में सुधार के रूप में दिखा।

मंडलीय रैंक में मुरादाबाद मंडल प्रदेश में 5वें स्थान पर है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के जिला कार्यक्रम प्रबंधक रघुवीर सिंह का कहना है कि मिशन की ओर से संचालित स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के आधार पर रैंक निर्धारित होती है। मुख्य रूप से शिशु मातृ दर में कमी, अस्पतालों में उपकरणों के रखरखाव व प्रबंधन, परिवार नियोजन उपायों के प्रति जागरूकता से जनसंख्या नियंत्रण, संस्थागत व सुरक्षित प्रसव कराने पर जोर रहता है। जिला कार्यक्रम प्रबंधक ने बताया कि जिले की रैंक सुधरने से मंडल में पहले नंबर पर है। जबकि मंडलीय रैंक में प्रदेश में हम पांचवें स्थान पर आए हैं। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के प्रयास गंभीरता से जारी हैं। शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा सेवा जन सामान्य के लिए उपलब्ध कराई जा रही है। सुरक्षित, संस्थागत प्रसव से शिशु मातृ मृत्युदर में कमी आई है। टीकाकरण, दवा की उपलब्धता पहले से बेहतर होने का असर डैशबोर्ड की रैंक में बेहतरी के रूप में सबके सामने है। -डॉ. कुलदीप सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी

क्यूँ न लिखूँ सच
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।
संपादक - नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991
RNI NO- UPBIL/2021/83001
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।
क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

सतना शहर के अन्दर स्थिति बिरला कंपनी से निकलने वाले प्रदूषण से जनता परेशान

क्यूँ न लिखूँ सच
प्रदीप कुमार तिवारी

सतना विधानसभा क्षेत्र क 63 से सपाक्स पार्टी प्रत्याशी हरिशंकर तिवारी जी ने मीडिया को बताया कि शहर में फैल रहे प्रदूषण वाले धुए के कारण प्रदूषण दिनो दिन बढ़ता जा रहा है जिससे शहर मे रह रहे इंसान का जीना मुश्किल हो गया है शहर एवं क्षेत्र की जनता से पूछना चाहता हूँ कि क्या आप सब सिर्फ प्रदूषण के लिए बने है और जहाँ तक बात की जाए रोजगार की तो आलम यह है कि शहर एवं गाँव के स्थानीय लोगों को रोजगार के लिए शहर एवं प्रदेश के बाहर जाकर अपने परिवार का भरण पोषण करने के लिए मजबूर है मैं शहर एवं गाँव की जनता से पूछना चाहता हूँ कि क्या आप सिर्फ प्रदूषण झेलने के लिए बने हैं और जब रोजगार की बात आए तो बाहरी व्यक्तियों को रोजगार मे प्राथमिकता दी जाती है। मैं कंपनी प्रशासन को इस बात से अवगत करवाना चाहता हूँ कि यदि स्थानीय जनता प्रदूषण में प्राथमिकता है तो हमारे स्थानीय लोगो को रोजगार मे भी प्राथमिकता दी जाए यदि ऐसा नही होता है कंपनी के प्रदूषण के खिलाफ की जाएगी उचित कार्रवाई

सम्मान समारोह आयोजित किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा-कलैक्ट्रेट बार एसोसिएशन के अधिवक्ता कल्याण कोष के 25 पूर्ण होने के उपलक्ष्य में संस्थापक सदस्य एवं पूर्व अध्यक्ष, महामंत्री का सम्मान समारोह आयोजित किया गया इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री सी पी सिंह वरिष्ठ अधिवक्ता ने अधिवक्ता कल्याण कोष के नवीन कार्यालय का फीता काट कर उद्घाटन किया। सम्मान समारोह का संचालन अमित कुमार जौहरी एडवोकेट ने किया। इस कार्यक्रम में कल्याण कोष के अध्यक्ष संतोष दीक्षित एडवोकेट ने सभी सम्मानित पूर्व पदाधिकारी एवं संस्थापक सदस्यों का सम्मान किया। मुख्य अतिथि ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि अधिवक्ता कल्याण कोष अधिवक्ता हित में सराहनीय कार्य करती है जो साधूं वाद के पात्र हैं। सभा में सम्बोधन ए डब्लू एफ चैयरमेन सन्तोष दीक्षित, उपाध्यक्ष एस एस अग्रवाल, उपाध्यक्ष पी चौहान एडवोकेट ने किया। इस कार्यक्रम में कलैक्ट्रेट बार एसोसिएशन अध्यक्ष अशोक कुमार शिकरवार, रामनरेश मिश्रा एडवोकेट, रोहित पुंढीर, रमेश बाबू यादव, शशी किशोर सक्सेना, रविकांत कान्त सक्सैना, अरूण उपाध्याय, नारायन भास्कर, रेशपाल सिंह राठौर, उपेंद्र पाल, श्याम गुप्ता, नीरज गुप्ता, संजय उपाध्याय, राकेश कंज, प्रमोद गुप्ता, मोनू राठौर, सतेन्द्र सिंह, राधे श्याम शर्मा, बी पी सिंह, जितेन्द्र सिंह, आदि अधिवक्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अन्त में कल्याण कोष उपाध्यक्ष शिव शंकर अग्रवाल ने सभी अगनतुको का धन्यवाद व्यक्त किया।?

त्योंथर विधानसभा के माने जाने नेता कमांडो अरुण गौतम को मिला विंध्य जनता पार्टी से टिकट लड़ेंगे चुनाव

क्यूँ न लिखूँ सच
आलोक मिश्रा

गरीबों के मसीहा कमांडो अरुण गौतम लड़ सकते हैं त्योंथर से चुनाव वर्ष 2018 से कंटिन्यू लगे रहते हैं जनता की सेवा में ना कोई जाति देख ना कोई धर्म देखे ना गरीब देखे ना अमीर देखें सब के सेवा में सदैव तत्पर रहने वाले कमांडो अरुण गौतम के चुनाव लड़ने से बड़े-बड़े दिग्गज धराशाही हो सकते हैं क्योंकि जिस तरह अरुण गौतम जनता की सेवा की है उसे तरह किसी पार्टी के किसी नेता ने नहीं की है चाहे वह विधायक रहा हो चाहे सांसद कोई गरीबों की सेवा नहीं की है जिस तरह अरुण गौतम गरीबों की सेवा किया अरुण गौतम गरीबों के मसीहा कहलन वाले में से एक हैं जिन्होंने जनता की सेवा के लिए 6 महीने जेल में रहे वह भी राजू का जैसे जगन्नाथ अपराध उन पर दर्ज कराया गया था नेताओं के द्वारा आज वही आप देखने वाली बात यह है की जनता के साथ रहने वाले कमांडो के साथ कितनी जनता रहती है यह तो वक्त ही तय करेगा परंतु अगर मान जाए तो मौका एक बार गौतम जी को जरूर देना चाहिए क्योंकि जो व्यक्ति बिना किसी पद पर रहते हुए बिना किसी पार्टी में रहते हुए गरीबों की सेवा के लिए 24 घंटे तट पर रहते हैं एवं गरीबों की दवा गरीबों की सभी व्यवस्थाओं के लिए समर्पित रहते हैं तो एक मौका तो उनके लिए बनता है गरीबों की आवाज कमांडो गौतम जिंदाबाद अभी गौतम के द्वारा नामांकन नहीं भरा गया है संभवत यह है कि 30 तारीख को कमांडो अरुण गौतम नामांकन भरेंगे और जनता के सेवा के लिए सदैव तत्पर रहते हैं और तत्पर रहेंगे राजतिलक की करो तैयारी आ रहे हैं गौतम सबसे भारी सबकी यारी चाहे वह किसी वर्ग का हो सबके दुख सुख में शामिल होने वाले गौतम को विंध्य जनता पार्टी के तरफ से टिकट दिया गया है माना जा रहा है की 30 तारीख को नामांकन दाखिल करने के बाद जनता के साथ क्षेत्र में भ्रमण करके और बड़े-बड़े दिग्गजों को धरसही करने में समर्थ हैं कमांडो गौतम

बहुजन समाज पार्टी पदाधिकारी के द्वारा कार्यालय का उद्घाटन संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच
प्रदीप कुमार तिवारी

रामपुर बघेलान विधानसभा क्षेत्र के जमुना में बहुजन समाज पार्टी के कार्यालय का उद्घाटन बहुजन समाज पार्टी के विधानसभा प्रत्याशी रिटायर्ड तहसीलदार मणिराज सिंह के कर कमरों के द्वारा संपन्न हुआ रामपुर बघेलान। सतना जिले के रामपुर बघेलान विधानसभा क्षेत्र से बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी रिटायर्ड तहसीलदार मणिराज सिंह के द्वारा ग्राम जमुना में बहुजन समाज पार्टी के कार्यालय का भव्य उद्घाटन किया गया रामपुर बाघेलान विधान सभा क्षेत्र के जमुना ग्राम मे बहुजन समाज पार्टी के कार्यालय का शुभारंभ किया गया जिसके मुख्य अतिथि बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष अच्छे लाल कुशवाहा. जिला अध्यक्ष बसपा सतना रामपाल साकेत .विशिष्ट अतिथि प्रत्याशी मणिराज सिंह रिटायर्ड तहसीलदार. बब्लू साकेत. उदयभान साकेत .राजा पटेल .नंदलाल सिंह नंदू जनपद सदस्य. रामाधार सेन .बैजनाथ साकेत .राकेश सिंह .ललन सिंह. उपेंद्र कुशवाहा .रामखेलावन कोल. आदि सैकड़ो की तादाद पर बहुजन समाज पार्टी के कार्यकर्ता पदाधिकारी एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे

चोरी के माल को छुपाने की नीयत से ले जाते हुए चोरी के 55 कमर्शियल गैस सिलेंडर सहित दो अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा-वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सिंह के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना निधौली कलाँ पुलिस द्वारा चोरी किए हुए माल को छुपाने की नियत से ले जाते हुए
चोरी के 55 कमर्शियल गैस सिलेंडर, घटना में प्रयुक्त लोडर टेंपो(छोटा हाथी) सहित दो अभियुक्त क्रमशः नीरज उर्फ छोटे पुत्र श्रीपाल निवासी विजय नगर थाना सिकन्दरपुर वैश्य जिला कासगंज हॉल मौजूदा धन सिहं वाली गली गौपुरी थाना विजयनगर जिला गाजियाबाद व अनिल कुमार पुत्र राजवीर सिहं निवासी ग्राम झिनवार थाना निधौलीकलां को गिरफ्तार कर अभियुक्तों के विरुद्ध नि0कलां पर पंजीकृत मु0अ0सं0 209/23 धारा 414 भादवि पंजीकृत कर थाना स्तर से आवश्यक वैधानिक कार्रवाई करते हुऐ जेल भेजा जा रहा है !

एटा में पुलिस पर हमला, गाड़ी तोड़ी

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा-दुष्कर्म के आरोपी प्रधान को गिरफ्तार करने गई पुलिस पर उसके परिजनों ने पथराव कर दिया। पुलिस की गाड़ी क्षतिग्रस्त हो गई। एक कांस्टेबल चोटिल हो गया। बड़ी मुश्किल से पुलिस बच पाई। पुलिस ने प्रधान के पिता, पत्नी सहित सात लोगों को नामजद किया गया। पिता सहित दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। अन्य की तलाश चल रही है। थाना नयागांव क्षेत्र के गांव परसूपुर निवासी सुखवीर सिंह प्रधान है। जून में सुखवीर सिंह पर दुष्कर्म का मामला दर्ज हुआ था। मामले में वह लंबे समय से फरार था। गुरुवार शाम पुलिस को सूचना मिली कि वह गांव में है। पुलिस की टीम ने दबिश दी। आरोप है कि जैसे ही पुलिस उसके घर पहुंची वैसे ही ईंट पत्थरों की बरसात शुरू कर दी गई। पुलिस पर हमला होते देख गांव के लोग भी दहशत में आ गए। हमले की सूचना उच्चाधिकारियों को दी गई। पुलिस फोर्स भी पहुंच गया। आरोपियों की ओर से किए गए हमले में कांस्टेबल आकाश बंसल घायल हो गए। पुलिस टीम ने फिर से दबिश दी तो सुखवीर सिंह के पिता भंवरपाल पुत्र दीनदयाल, अभिषेक पुत्र प्रमोद को गिरफ्तार कर लिया। एसआई ललित कुमार ने सात नामजद, आठ-दस अज्ञात लोगों पर केस दर्ज कराया है। एएसपी धनंजय कुशवाहा ने बताया कि पुलिस पर हमले के आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मिशन शक्ति अभियान के चतुर्थ चरण (फेज-4) के तहत विश्व भारती पब्लिक स्कूल में समपन्न हुआ कार्यक्रम

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा-एसएसपी राजेश कुमार सिंह के निर्देशन में लगातार मिशन शक्ति अभियान के चतुर्थ चरण (फेज - 4) के तहत जिलेभर में अलग अलग जगह कार्यक्रमों के आयोजन किऐ जाने की श्रखंला में आज शनिवार को थाना कोतवाली नगर क्षेत्र के विश्व भारती पब्लिक स्कूल किदवई नगर में जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन समपन्न हुआ ! एसपी क्राइम विनोद कुमार पांडे कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे ! उन्होने दुराचारियों की पहचान उजागर करने एवं महिलाओं एवं नाबालिग बच्चियों के साथ घटित होने वाले अपराध व दुष्कर्म, अपहरण, छेड़खानी, चैन स्नैचिंग इत्यादि जैसी घटनाओं के बारे मे स्कूली बच्चो व विद्यालय के स्टाफ एवं बच्चों के अभिवावकों को जागरूक किया ! उन्होने आगे कहा कि महिलाओ के प्रति होने वाले गंभीर अपराधों पर प्रभावी रोकथाम करने एवं महिलाओं/ बालिकाओं में आत्मविश्वास की भावना पैदा करने के उद्देश्य से महिलाओं व बालिकाओं को जागरूक किया जाना बेहद आवश्यक है ! इस अवसर पर अन्य वक्ताओं ने महिला सुरक्षा एवं बच्चों से सम्बन्धित समस्याओं एवं मुद्दों पर समझ बनाना, दहेज प्रतिषेध, कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न पिवारण, अनैतिक व्यापार निवारण, पॉक्सो, बाल विवाह प्रतिषेध, बाल श्रम हेतु जागरूक किया तथा भारतीय दण्ड संहिता में महिलाओं की गरिमा के विरूद्ध प्रमुख अपराध आदि की जानकारी दी गई ! विभिन्न सरकारी योजनाओं में मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, बैंकिंग करस्पाण्डेण्ट सखी, राष्ट्रीय पोषण योजना के बारे मे जागरूक किया गया, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, प्रधानमंत्री अमृत वन्दना योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओं, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, पी0एम0 स्वनिधि योजना के बारे मे जागरूक किया गया, पीएम सम्मान निधि योजना, वन स्टॉप सेण्टर, सेफ सिटी योजना, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना के बारे मे जानकारी दी गई, प्रधानमंत्री फ्री सिलाई मशीन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, यूपी0 भाग्य लक्ष्मी योजना, मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, कन्या सुमंगला योजना, महिला ई-हाट बारे मे जानकारी दी गई, महिला हिंसा से सम्बन्धित तथा अन्य शिकायतों के निवारण हेतु विभिन्न हेल्पलाइन फोरम के सम्बन्ध में जानकारी प्रदान करने जागरूक किया गया, सब इंस्पेक्टर नीता माहेश्वरी ने वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112, सी0एम0 हेल्प लाइन, नम्बर चाइल्ड हेल्प लाइन नम्बर 1098, वन स्टाप सेण्टर-181, साइबर हेल्प लाइन-1930 स्वास्थ्य हेल्प लाइन-102 एम्बुलेन्स सेवा-108, जनसुनवाई पोर्टल के बारे मे जानकारी दी गई, स्थानीय थाने की महिला हेल्प डेर जिला संरक्षण अधिकारी, राष्ट्रीय/ राज्य महिला आयोग, जनपद न्यायालय में स्थित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के बारे बताया !
कार्यक्रम का संचालन हाजी कशिश एटवी द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम में विश्व भारती पब्लिक स्कूल के प्रबंधक डॉ विकास सक्सेना, प्रिंसिपल हेमलता वार्ष्णेय, सहित विद्यालय का स्टाफ एवं बालिकाएं रही मौजूद रहे ! .कार्यक्रम में शहर के पटियाली गेट चौकी प्रभारी अश्वनी कुमार शर्मा, सब इंस्पेक्टर नीता महेश्वरी, प्रियंका नागर, कविता, निशि सहित पुलिस फोर्स भी मौजूद रहा !

विश्व प्रसिद्ध गुरुकुल के यज्ञ सम्मेलन में पहुंचे तमाम धर्माचार्य

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा-उत्तर प्रदेश के जिला एटा में विश्व प्रसिद्ध गुरुकुल की स्थापना के 75 बर्ष पूर्ण होने पर हीरक जयंती बड़ी धूमधाम से मनाई जा रही है, एटा जिले की गुरुकुल विश्व में विख्यात है,

गुरुकुल में विश्व की सबसे बड़ी यज्ञशाला है, 101 यज्ञ वेदी पर एक साथ यज्ञ होते है, गुरुकुल की स्थापना आजादी के बाद स्वामी ब्रह्मानंद दण्डी ने की थी, स्थापना का उद्देश्य भारत में गुरुकुल पद्धति को स्थापित करते हुए, देव भाषा संस्कृति के प्रचार प्रसार के साथ देववाणी के विद्वानों के जरिए भारतीय संस्कृति के मूल्यों की रक्षा करना है, वैदिक चिंतक स्वामी आर्य वेश प्रखर आर्य समाज के वक्ता ने उद्घाटन किया है, इसकी अध्यक्षता आर्ष गुरुकुल ट्रस्ट के प्रधान योगराज अरोड़ा ने की है, वेदपाठ एवं भजन कीर्तन आदि कार्यक्रम सम्पन्न हुऐ विश्व प्रसिद्ध गुरुकुल के यज्ञ सम्मेलन में पहुंचे तमाम धर्माचार्य उत्तर प्रदेश के जिला एटा के गुरुकुल में विश्व की सबसे बड़ी यज्ञशाला

बैरक कक्ष का उदघाटन किया

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा-श्री शलभ माथुर, पुलिस उप महानिरीक्षक, अलीगढ परिक्षेत्र, अलीगढ द्वारा परिक्षेत्रीय कार्यालय परिसर में जनसुविधाओं के दृष्टिगत पिंक टॉयलेट एवं कर्मचारीगणों की सुविधा हेतु बैरक कक्ष का उदघाटन किया गया । परिक्षेत्रीय कार्यालय परिसर पर आने वाली महिला फरियादियों व परिक्षेत्रीय कार्यालय मे तैनात महिला स्टाफ की सुविधाओं को दृष्टिगत रखते हुए परिक्षेत्रीय कार्यालय मे नवनिर्मित पिंक टॉयलेट का निर्माण कराया गया । जिसका उदघाटन महोदय द्वारा परिक्षेत्रीय कार्यालय पर तैनात समस्त स्टाफ की उपस्थिति में किया गया ।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

चुनावी हलचल सिरमौर विधानसभा क्षेत्र में कौन कहाँ

क्यूँ न लिखूँ सच
अखिलेश कुमार तिवारी

सिरमौर विधानसभा क्षेत्र से सभी प्रत्याशियों की लगी प्रतिष्ठता दाव पर वहीं बीजेपी से दिव्यराज सिंह चुनावी मैदान में है कांग्रेस से राम गरीब बनवासी बहुजन समाज पार्टी से बीडी पांडे समाजवादी पार्टी से लक्ष्मण तिवारी आम आदमी पार्टी से सरिता राष्ट्रवादी पार्टी से अविनाश शुक्ला एवं निर्विरोध प्रत्याशियों की तरफ से अभी कुछ और ब्राह्मण चेहरे सामने आ सकते हैं ! वहीं विशेष चुनाव सर्वे के अनुसार बात की जाए सिरमौर विधानसभा क्षेत्र में बीजेपी के टिकट पर लड़ रहे उम्मीदवार का हर एक जगह विरोध हो रहा है रोड नहीं तो वोट नहीं का नारा लगाया जा रहा है जिससे कि बीजेपी का निश्चित तौर पर ग्राफ गिरा हुआ है अगर कांग्रेस पार्टी की बात की जाए राम गरीब बनवासी जो की सिरमौर विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी है उन्हें भी जहां के हैं उसे विधानसभा से ना उतार कर सिरमौर विधानसभा क्षेत्र से उतर गया है जो कि निश्चित तौर पर बाहरी प्रत्याशी के तौर पर जाने जाएंगे जिसे ना शिकार करना या शिकार करना जनता का काम है कितने आदिवासियों की वोट , कांग्रेस पार्टी कनेक्ट कर पाते हैं यह तो आने वाला समय ही बताएगा ! अगर बहुजन समाज पार्टी की बात की जाए तो निश्चित लोकल प्रत्याशी है बीडी पांडे लेकिन समय-समय पर इनकी ऊपर भी आरोप लगाता रहा है कार्यकर्ता एवं जनता जनार्दन का सीधे तौर पर आरोप है फोन लगाने पर फोन नहीं रिसीव किया जाता तो अगर यह जीत भी गए तो क्या फोन रिसीव कर पाएंगे ! राम गरीब बनवासी का कांग्रेस के मैदान में आते ही कहा जाए आदिवासियों का वोट कांग्रेस के तरफ कन्वर्ट होगा जिससे कि बहुजन समाज पार्टी को वोट में सेंध करेगी, आगे क्या परिणाम आता है यह तो समय पर डिपेंड करता है !

आगे अगर आम आदमी पार्टी प्रत्याशी की बात की जाए तो उनका प्रचार अभियान ना के बराबर है आम लोगों के पास उनकी पकड़ भी कमजोर है जहां महिला प्रत्याशी होने के कारण उन्हें कुछ महिलाओं की सहानुभूत मिल सकती थी लेकिन प्रचार करने का तरीका इनका ना सही होने के कारण निश्चित है इनको निराशा ही हाथ लगेगी ! वही अगर राष्ट्रवादी भारत पार्टी की बात की जाए अविनाश शुक्ला जिनको सोशल मीडिया में लोग पढ़े लिखे हुए प्रत्याशी कहते हैं मैं देश समाज तथा समस्त प्रत्याशियों से जानना चाहूंगा क्या- कोई भी जो चुनावी क्षेत्र में सिरमौर विधानसभा में उतरा है क्या अनपढ़ है मेरे ख्याल से सभी पढ़े लिखे एवं सक्षम प्रत्याशी है शिक्षित है एक आदमी को पहले पढ़े लिखे कहना निश्चित ही गलत कहा जा सकता है अभी हाल ही में चाकघाट पुलिस द्वारा चुनाव आचार संहिता के मामले में अविनाश शुक्ला की गाड़ी एवं कुछ पोस्ट कैलेंडर जप्त की थी एवं चुनाव आचार संहिता के तहत कार्रवाई की गई थी उसके कुछ दिनों बाद ही ! डभौरा सिरमौर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत कुछ क्षेत्रों में इनके द्वारा बाहरी लड़के जो कि छत्तीसगढ़ बिहार के बताए जाते हैं उनके द्वारा प्रचार करते हैं और वही क्षेत्र में जा जाकर सभी जनता को कैलेडर एवं टी-शर्ट वितरित करते हैं तो क्या यह चुनाव आचार संहिता नहीं है वोटरों को कैसे खरीद परोक करके चुनाव जीतने की मनसा बने बैठे हैं कुछ प्रत्याशी को निराशा ही हाथ लगेगी, ! अब समाजवादी की बात करते हैं जो की प्रत्याशी लक्ष्मण तिवारी को मैदान में उतारा है सिरमौर विधानसभा क्षेत्र से जो की हरदम गरीबों के सुख-दुख में उपस्थित रहते हैं एवं आम जनों के साथ लेकर चलने वाले नेताओं के रूप में इनकी पहचान होती है वहीं कुछ लोगों का कहना है जितने भी प्रत्याश चुनावी मैदान में है सभी से सीनियर एवं मिलनसार व्यक्ति है राजनीतिक अनुभव से पुराना संबंध रहा है इनका, इसके आगे अगर निर्दलीय प्रत्याशियों की बात की जाए तो निश्चित जो संभावनाएं सामने आ रही है उसके अनुसार ब्राह्मण चेहरा ही निर्दल प्रत्याशी के रूप में सिरमौर विधानसभा क्षेत्र से उतरेंगे जो की सभी पार्टियों के वोट काटने का कार्य करेंगे सभी को उनकी ताकत एहसास करने का कार्य करेंगे एवं पब्लिक के बीच जाकर अपने पक्ष में मतदान करने का , कार्य करेग अब फैसला जनता के हाथ में है किस जीतने का बीड़ा उठाती है जनता! सिरमौर विधानसभा क्षेत्र की जनता इस बार नया इतिहास रचने को जा रही है,

युवती के शरीर पर पाए गए गंभीर चोटों के निशान

क्यूँ न लिखूँ सच
निशाकांत शर्मा

एटा- काली नदी के पुल के समीप मृत अवस्था में पड़ा मिला युवती का शव। हत्या कर शव को सड़क किनारे झाड़ में फेंके जाने की आशंका। युवती के शरीर पर पाए गए गंभीर चोटों के निशान। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचा भारी मात्रा में पुलिस बल। मौके पर बुलाई गई फील्ड यूनिट डॉग स्क्वाड की टीमें,घटना स्थल की कर रहीं बारीकी से जांच। मृत युवती की नही हो सकी शिनाख्त। एटा

जनपद के बागवाला थाना क्षेत्र के नगला रंजीत के समीप का है मामला। अपर पुलिस अधीक्षक धनंजय कुशवाह क्षेत्राधिकारी विक्रांत दुवे ने किया घटना स्थल का निरीक्षण ,जुटाए साक्ष्य।

स्वच्छाग्राहियों का कहना है नेता वही चुनें जो आप की समस्याओ को सुने

क्यूँ न लिखूँ सच
आलोक मिश्रा

मध्यप्रदेश के स्वच्छाग्राहियों की समस्याओ का समाधान नहीं कर सकी वहीं त्योंथर विधायक स्वच्छाग्राहियों के मांग पत्र मुख्यमंत्री तक नहीं पहुंचा सके तो मैं मध्यप्रदेश के 26000 स्वच्छाग्राही संघ के सभी पदाधिकारी महानुभाव लोगों से विनम्र निवेदन है कि सभी लोग अपने अपने विधानसभा में विशेष ध्यान दें नेता वही चुनें जो आप की समस्याओ को सुनें आओ बच्चों तुम्हे दिखायें, शैतानी शैतान की । नेताओं से बहुत दुखी है, जनता हिन्दुस्तान की । । बड़े-बड़े नेता शामिल हैं, घोटालों की थाली में। सूटकेश भर के चलते हैं, अपने यहाँ दलाली में ।। देश धर्म की नहीं है चिंता, चिन्ता निज सन्तान की । नेताओं से बहुत दुखी है, जनता हिन्दुस्तान की ।। चोर लुटेरे भी अब देखो, सांसद और विधायक हैं। सुरासुन्दरी के प्रेमी ये, सचमुच के खलनायक हैं। । भिखमंगों में गिनती कर दी, भारत देश महान की। नेताओं से बहुत दुखी है, जनता हिन्दुस्तान की ।। जनता के आवंटित धन को, आधा मन्त्री खाते हैं। बाकी में अफसर ठेकेदार, मिलकर मौज उड़ाते हैं।। लूट खसोट मचा रखी है, सरकारी अनुदान की । नेताओं से बहुत दुखी है, जनता हिन्दुस्तान की ।। थर्ड क्लास अफसर बन जाता, फर्स्ट क्लास चपरासी होशियार बच्चों के मन में, छायी आज उदासी है।। गंवार सारे मंत्री बन गये, मेधावी आज खलासी है। आओ बच्चों तुम्हें दिखायें, शैतानी शैतान की । । नेताओं से बहुत दुखी है, जनता हिन्दुस्तान की ।

स्नेह अनुभूति समावेशी गरबा का हुवा भव्य आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच
महेश कछावा

नागदा जं. - लायंस आफ नागदा की स्थायी परियोजना एवं देश की सर्वश्रेष्ठ संस्था के राष्ट्रीय पुरुस्कार से सम्मानित संस्था स्नेह एवं लायंस क्लब नागदा ग्रेटर के संयुक्त तत्वावधान में शरद पूर्णिमा के पावन पर्व पर समावेशी गरबा कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया स्नेह संस्थापक डॉ. पंकज मारू ने बताया की दिव्यांगजनों की समाज में पूर्ण भागीदारी को सुनिश्चित करने के लिए स्नेह की सह संस्थापक स्वर्गीय डॉ. नैना क्रिश्चियन की पहल पर शहर के दिव्यांगजनों हेतु स्नेह अनुभूति समावेशी गरबा कार्यक्रम की शुरुआत 2018 में की गई थी इसी तारतम्य में संस्था स्नेह एवं लायंस क्लब नागदा ग्रेटर के संयुक्त तत्वाधान में लगातार छटे वर्ष स्नेह प्रांगण में स्नेह अनुभूति समावेशी गरबा कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में शहर के दिव्यांगजन, स्नेह के विशेष बच्चे, अभिभावकगण, लायंस क्लब नागदा ग्रेटर, लियो क्लब नागदा ग्रेटर के सदस्य एवं परिवारजन ने पारंपरिक गुजराती गीतों पर गरबा किया कार्यक्रम का शुभारम्भ अतिथियो के रूप में उपस्तिथ रीजन चेयर पर्सन अजय गरवाल, ग्रेसिम इंडस्ट्रीज के लीगल हेड अशोक शर्मा, लायन अजय पोरवाल, सतीश बजाज , राकेश डाबी, आशीष पोखरना, सेल्फ एडवोकेट्स फोरम ऑफ़ इंडिया के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य अरुण गिरी, तथा निर्णायक श्रीमती ममता फंडोत एवं श्रीमती हर्षिता जैन ने दीप प्रज्जवलित कर किया ।ये रहे विजेता स्नेह अनुभूति समावेशी गरबा कार्यक्रम में 6 श्रेणियों में दिए गए पुरस्कारों में वोकेशनल ग्रुप के पायल निम्बोला, अभिषेक काठा, अर्जुन सोलंकी, सेकंड्री ग्रुप में धनाक्षी, अब्दुल अलीम, गौरव, प्राइमरी ग्रुप में कृतिका, त्रिशिका, कुनाल , बेस्ट चाइल्ड में सानवी एवं कियारा, स्टाफ ग्रुप मे बेस्ट गरबा सविता उपाध्याय, मनीष जोनवाल , चेतना सक्सेना, दीपिका भावसार, बेस्ट ड्रेस सुनील गौत्तम, आशा नामदेव, डॉ. कविता सोनी, सोनू मारू, लायंस ग्रुप में बेस्ट कपल लायन विनयराज शर्मा, दीपमाला शर्मा, लायन डॉ. पंकज मारू, तरुणा मारू, बेस्ट ड्रेस लायन राकेश हेमा फर्न्नाखेडी को पुरस्कारों का वितरण अतिथियों द्वारा किया गया कार्यक्रम में लायन अशोक बिसानी, झमक राठी, राजेश मोहता, निर्मल जैन, अशोक सकलेचा, महेश पंजाबी, बाबूलाल प्रजापत, मुकेश राठौर, लियो वरुण भाटिया, अनुज काठेड, आयुष जैन, शुभम मोहता, विप्लव चौहान, स्नेह का स्टाफ, बच्चे एवं अभिभावकगण उपस्थित थे कार्यक्रम का संचालन स्नेह के उप निदेशक महेशचन्द्र राठौड़ ने किया

02 स्वीप गतिविधि से बच्चो ने वाल पेंटिंग से मतदाताओं को किया जागरूक

क्यूँ न लिखूँ सच
मानस मिश्रा

सिंगरौली - नगर निगम सिंगरौली द्वारा आयोजित किए जा रहे हैं मतदाता जागरूकता अभियान ,स्वीप गतिविधि अंतर्गत जिले में अनेकों गतिविधियां आयोजित किए जा रहे हैं जिसमे एक कड़ी जोड़ते हुए नगर पालिक निगम सिंगरौली द्वारा मुख्यालय स्थित पशु चिकित्सालय रोड स्थित सार्वजनिक दीवालों में वाल पेंटिंग और स्लोगन लेखन का आयोजन किया गया जिसमे 150 से अधिक छात्रों द्वारा सहभागिता किया गया और चित्रकारी में रंगो से मतदान की आवश्यकता को परिलक्षित किया गया और मतदाताओं से अनिवार्य रूप से मतदान करने हेतु अपील जारी किया गया। प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र और संस्थानों को स्मृति चिन्ह आयुक्त नगर पालिक निगम सिंगरौली सत्येंद्र सिंह धाकरे,जिला पंचायत सीईओ एवं स्वीप नोडल अधिकारी गजेंद्र सिंह सहित ब्रांड एम्बेसडर आरती बंसल एवं डॉ डी के मिश्रा द्वारा प्रदाय किया गया। युवाओं को संबोधित करते हुए आयुक्त सत्येंद्र सिंह धाकरे ने आयोजन में सम्मिलित सभी प्रतिभागियों और व्यवस्थाओं में जुड़े सभी संस्थानों का आभार व्यक्त करते हुए शहरी क्षेत्र के मतदाताओं से अपील किया कि मतदान सबकी सबसे पहली जिम्मेदारी है जिसे सभी अनिवार्य रूप से करें और सभी को प्रेरित करने का काम करें। वही जिला पंचायत सीईओ एवं स्वीप नोडल अधिकारी गजेंद्र सिंह द्वारा अपने उद्बोधन में जिले के सभी मतदाताओं को 17 नवंबर के दिन मतदान करने हेतु अपील जारी किया और स्कूल के बच्चो को प्रोत्साहित करते हुए सबके योगदान की सराहना की। ब्रांड एम्बेसडर आरती बंसल द्वारा बच्चों को शहर और जिले के प्रति अपने कर्तव्य का निर्वहन करने हेतु प्रेरित किया और सामाजिक आयोजनों में सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु सहमति दी गई। उक्त आयोजन नागरिक भागीदारी से आयोजित किया गया था जिसकी सभी व्यवस्था मिश्रा पॉली क्लिनिक एंड नर्सिंग होम, सन शाइन स्कूल प्रबंधन,साकार फाउंडेशन, संविदाकार महाराणा प्रताप सिंह द्वारा सहयोग प्रदान किया गया। वही संस्थानों में प्रमुख रूप से ई कोल स्कूल, डीएवी कृष्ण विहार, डीपीएस विंध्यनगर, डीएवी वैढन,संत जोसेफ स्कूल, डीएवी अमलोरी, डीपीएस निगाही, डीएवी निगाही के छात्र सम्मिलित हुए । आयोजन में प्रमुख रूप से निगमायुक्त सत्येंद्र सिंह धाकरे, जिला पंचायत सीईओ एवं स्वीप नोडल अधिकारी गजेंद्र सिंह,ब्रांड एम्बेसडर आरती बंसल एवं डॉ डी के मिश्रा, स्वच्छता निरीक्षक संतोष तिवारी जितेंद्र सिंह एवं पवन बरोदे, सिटाडेल प्रोजेक्ट मैनेजर रावेंद्र सिंह और,आईईसी मैनेजर आशीष शुक्ला, सिटाडेल जोनल मैनेजर विवेक सिंह, सी एंड डी इंचार्ज रोहित चौरसिया,आईईसी टीम हेड नितेश सिंह सहित राजन पाण्डेय,संदीप कुशवाहा,अतुल बैस, पिंकी पाण्डेय, किरण पाण्डेय,निरंजन चौबे,प्रभाकर श्रीवास्तव, मुकेश केवट, डेलमन तिवारी, मिथिलेश धर द्विवेदी की प्रमुख उपस्तिथि रही।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हुई अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की परीक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा।श्री पी 0सी 0आजाद इण्टर कॉलेज बिहार कला में शनिवार को अधीनस्थ सेवा चयन आयोग लखनऊ द्वारा आयोजित परीक्षा कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मजिस्ट्रेट राजेश चन्द्रा, स्टेटिक मजिस्ट्रेट रामचंद्र केन्द्र व्यावस्थापक डॉक्टर राजेंद्र कुमार गंगवार, डॉक्टर मेहरबान सिंह एवं बी कम्पनी के विपिन कुमार की निगरानी में परीक्षा दो पालियों में सम्पन्न हुई।

कुल पंजीकृत 312बच्चों में प्रथम पाली-सुबह 10बजे से 12बजे तक 184 तथा द्वितीय पाली 3बजे से 5बजे तक 182 बच्चों ने परीक्षा दी। इस दौरान शिक्षक प्रमोद स्वरूप,जलज सक्सेना, सुरेन्द्र शर्मा,प्रदीप कुमार गुप्ता,पारस गंगवार, सुनील कुमार,हेमेन्द्र गंगवार, नितिन सक्सेना, विनोद कुमार,शिवानी मुन्द्रा सहित तमाम स्टाफ मौजूद रहा।

संस्कार वैली इंटरनेशनल स्कूल में नई शिक्षा नीति को लेकर कार्यशाला का हुआ आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच
मानस मिश्रा

सिंगरौली - संस्कार वैली इंटरनेशनल स्कूल घुरिताल वैढ़न में शिक्षक छात्र व् अभिभावकों के लिए नई शिक्षा नीति के बारे में जानकारी व् जागरूकता हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया ढ्ढ कार्यशाला में स्कूल के 22 शिक्षक, लगभग 100 अभिभावक व् छात्रों ने भाग लिया ढ्ढ कार्यशाला की शुरुआत दीपप्रज्वलन कर की गई ढ्ढ डायरेक्टर सुरेंद्र कुमार सोनी ने नई शिक्षा नीति के बिन्दुओ में प्रकाश डालते हुए बताया कि नई शिक्षा नीति के अंतर्गत 5+3+3+4 पैटर्न फॉलो किया जाएगा, इसमें 12 साल की स्कूल शिक्षा होगी और 3 साल की फ्री स्कूल शिक्षा होगी। नई शिक्षा नीति के तहत स्कूल में 5वीं तक शिक्षा मातृभाषा या फिर क्षेत्रीय भाषा में दी जाएगी। 3 साल की फ्री स्कूल शिक्षा होगी। छठी कक्षा से बिजनेस इंटर्नशिप स्टार्ट कर दी जाएगी। में फॉर्मूला 5+3+3+4 लागू किया जा रहा है ढ्ढ अब शुरुआत स्कूली शिक्षा में बदलाव किए गए है नई शिक्षा नीति में पहले जो 10+2 की परंपरा थी, अब वो खत्म हो जाएगी. फॉर्मूला 5+3+3+4 में 5 का मतलब है - तीन साल प्री-स्कूल के और क्लास 1 और 2 उसके बाद के 3 का मतलब है क्लास 3, 4 और 5 उसके बाद के 3 का मतलब है क्लास 6, 7 और 8 और आखिर के 4 का मतलब है क्लास 9, 10, 11 और 12. ये फार्मूला सरकारी और प्राइवेट सभी स्कूलों पर लागू होगा ढ्ढ स्कूल की टीचिंग हेड प्रियंका श्रीवास्तव ने बताया की हमारी स्कूल संस्कार वैली में छात्रों को नै शिक्षा नीति को लागु कर व् पाठ्यक्रम अनुसार पढ़ाया जा रहा है जैसे खेल खेल में , खिलाने द्वारा ,मनोरंजन कर , कंप्यूटर व् डिजिटल लैब के माध्यम से व् संस्कार वैली इंटरनेशनल स्कूल में छात्रों को संस्कार के साथ शिक्षा प्रदान की जा रही है स्कूल द्वारा अर्धवार्षिक परीक्षा की जारी रिपोर्ट में कक्षा नर्सरी से सातवीं तक के वेहतर प्रदर्शन करने वाले टॉप थ्री के सभी छात्र - छात्राओं को मैडल व् प्रमाणपत्र प्रदान कर आगे और वेहतर प्रदर्शन के लिए उत्साहवर्धन किया गया ढ्ढ सभी अभिभावक शिक्षकों ने नई शिक्षा नीति कार्यशाला व् बच्चो के उत्साहवर्धन हेतु प्रदान किये गए मैडल व् प्रमाणपत्र के लिए स्कूल का धन्यवाद किया व् बच्चो के अच्छे रिसल्ट से अभिभावक खुश हुये नई शिक्षा नीति सफल कार्यशाला के लिए स्कूल की चेयरपर्सन आशा सोनी ने सभी शिक्षकों ,छात्रों व् अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद किया

सुपर जोइनिंग वीक
उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छतीसगढ़ पंजाब का तेजी से बढता आपका अपना
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच & KNLS Live
आवश्यकता है भारत के सभी राज्यों से
रिपोर्टर,विज्ञापन प्रतिनिधि की
12 पेज का फुल अखबार
एक बार कॉल अवश्य करे
9027776991
प्रसारित क्षेत्र - उत्तर प्रदेश,उत्तराखंड,छतीसगढ़ पंजाब बाकि राज्यों से जल्द प्रसारित

गुजरात व म.प्र. बार्डर चेकिंग के दौरान अवैध शराब पर बड़ी कार्यवाही

क्यूँ न लिखूँ सच
शैलेन्द्र राठौर

झाबुआ- पुलिस अधीक्षक झाबुआ अगम जैन द्वारा सभी थाना एवं चौकीयों को अवैध मादक पदार्थ शराब, एवं अन्य संदिग्ध वस्तुओं की धर पकड हेतु निर्देशित किया गया था इस तारतम्य में पुलिस चौकी पिटोल के चौकी प्रभारी पल्लवी भाबर नें नाकाबंदी के दौरान अपनी टीम के साथ एक वाहन कन्टेनर रोककर चैक किया तो उसमें अवैध शराब कि पेटीया भरी मिली जिसके चालक से परिवहन सम्बंधित लायसेंस एवं अवैध शराब रखने के सम्बध में पुछने पर दस्तावेज नही होना बताया जिससे एक वाहन कन्टेनर को जप्त किया व दो आरोपी को गिरफ्तार किया कुल किमती 1,18,12,000/- रुपये पायी गयी सम्पुर्ण कार्यवाही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री प्रेमलाल कुर्वे के मार्गदर्शन अनुविभागीय अधिकारी झाबुआ रुपरेखा यादव तथा थाना प्रभारी निरी. तुरसिहं डावर के निर्देशन में कि गई चौकी प्रभारी उनि पल्लवी भाबर, सउनि शैलेन्द्र शुक्ला, सउनि सुरसिहं चौहान, प्रआर. 323 दिलीप, प्रआर. 193 विरेन्द्र परमार आर. 141 प्रेम, आर. 192 अजितसिहं आर. 08 मुकेश कनेश, आर. 159 राकेश, आर. 118 अनसिहं, एस.ए.एफ. आर. 653 मयंक मंडार, आर. 592 गोपाल झीनिया का सराहनीय योगदान रहा ।

बगैर अनुमति प्रदर्शन पुतला दहन करने पर धारा 188 आईपीसी के तहत प्रकरण दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच
शैलेन्द्र राठौर

झाबुआ- सोशल मिडिया प्लेटफार्म यू-टयूब पर विगत दिनों प्रसारित विडियों के माध्यम से आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की जॉच के पश्चात आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन पर प्रकरण दर्ज किया गया।

सोशल मीडिया प्लेटफार्म यू-ट्यूब चैनल पर प्रसारित वीडियों जिसमे झाबुआ के जेवियर सर्मथकों ने कांतीलाल भूरिया और विक्रांत भूरिया का फुका पुतला, में कुछ व्यक्तियों के द्वारा आदर्श आचरण संहिता के दौरान सक्षम अनुमति के बिना झुण्ड बनाकर राजनीतिक व्यक्ति का पुतला दहन कर नारेबाजी की गई , जो कि आदर्श आचरण संहिता का उल्लंघन के संबंध में शिकायत प्राप्त हुई थी। इस संबंध में मजिस्ट्रेट एफ.एस.टी. टीम विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 193 झाबुआ से सोशल मीडिया यू-ट्यूब चैनल पर प्रसारित वीडियों की विषय जाँच कर समय-सीमा में प्रतिवेदन चाहा गया था। मजिस्ट्रेट एफ.एस.टी. टीम विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 193 झाबुआ द्वारा प्रस्तुत जाँच प्रतिवेदन में बताया कि 17 अक्टूबर के दिन करीबन 1 से 2 बजे के बीच बुनियादी स्कूल के सामने सज्जन रोड़ झाबुआ पर जेवियर समर्थक निलेश पिता रमेश मेड़ा निवासी कुण्डला व पेट्रिक पिता थावरिया मेड़ा निवासी कुण्डला एवं अन्य अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा झुण्ड बनाकर कांतीलाल भूरिया व विक्रांत भूरिया का पुतला फूंका गया एवं नारे बाजी की गई थी, इस कृत्य के समय आदर्श आचार संहिता लागु होने एवं बिना अनुमति के किया जाकर अनावेदकगणों के द्वारा आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन किया गया हैं

एवं संबंधित व्यक्तियों के विरूद्ध आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने के फलस्वरूप थाना झाबुआ में अपराध क्रमांक 1375 / 2023 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया ।

दिव्यांग पुनर्वास केंद्र झाबुआ में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया

क्यूँ न लिखूँ सच
शैलेन्द्र राठौर

झाबुआ- विधानसभा निर्वाचन 2023 स्वीप गतिवधि अंतर्गत मतदान में प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता सुनिश्चित करने तथा वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने हेतु विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से मतदान के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जिले के दिव्यांग पुनर्वास केंद्र में शनिवार को दिव्यांग मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं स्वीप नोडल रेखा राठौड़ एवं उपसंचालक सामाजिक न्याय विभाग पंकज सांवले की उपस्थिति में दिव्यांग मतदाताओं को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदाय की गई सुविधाओं के बारे में जानकारी दी गई। श्रीमती राठौड़ द्वारा दिव्यांग मतदाताओं को मतदान के प्रति प्रेरित करते हुए कहा गया कि आगामी 17 नवंबर को होने वाले विधानसभा निर्वाचन में आप सभी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले तथा अपने परिचितों एवं आसपास रहने वाले लोगों को भी मतदान के लिए प्रेरित करें एवं लोकतंत्र के इस त्योहार को सफल बनाएं। श्री सांवले द्वारा मोबाइल में सक्षम ऐप को डाउनलोड करने एवं उसके उपयोग करने का तरीका दिव्यांग मतदाताओं को बताया ,कि किस प्रकार वह अपने वोटर कार्ड पर छपे एपिक नंबर द्वारा अपने पोलिंग बूथ से संबंधित जानकारी प्राप्त कर घर बैठे ही मोबाइल एप्लीकेशन से अपने लिए व्हीलचेयर की रिक्वेस्ट डाल सकते है। साथ ही प्रारूप 12 (स्त्र) के बारे में जानकारी प्रदान की गई। इस कार्यक्रम में 17 नवंबर को होने वाले मतदान के लिये जागरूक कर मतदान करने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर जिले की विभिन्न जनपदों के दिव्यांगजन व दिव्यांग पुनर्वास केंद्र के कर्मचारी उपस्थित रहे।

बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाई गई भगवान वाल्मीकि जयंती, निकाली गई शोभायात्रा

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा। नगर में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाई गई भगवान वाल्मीकि की जयंती। शनिवार सुबह से ही भगवान वाल्मीकि जी के मंदिर को बहुत ही आकर्षक ढंग से सजाया गया। पूजा-अर्चना की गई।शाम को पूरे नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई जिसमें, भगवान राम,लक्ष्मण, हनुमान जी, महर्षि वाल्मीकि आदि की भव्य झांकियां निकाली गईं।जगह -जगह नगर में पुष्प वर्षा कर स्वागत सम्मान किया गया।इस मौके पर गौरव, सोमपाल, रामरतन, संजीव कुमार, महेश कुमार, सहित भारी संख्या में पुलिस फ़ोर्स मौजूद रहा।

पहले दिन पकड़े गए 38 सॉल्वर, सवा 6 लाख ने दी परीक्षा, कल शामिल होंगे 10 लाख अभ्यर्थी

अधीनस्थ सेवा चयन आयोग 35 जिलों के 1058 केंद्रों पर दो पालियों में सुबह 10 से 12 बजे और तीन से पांच बजे तक परीक्षा का आयोजन कर रहा है। अधिनस्थ सेवा चयन आयोग की ओर से आयोजित प्रारंभिक अहर्ता परीक्षा (पीईटी) में पहले दिन 38 सॉल्वर पकड़े गए। इसमें कई ब्लू टुथ के माध्यम से नकल करके का प्रयास करते पकड़े गए। पहले दिन की दोनों पाली में पंजीकृत 10 लाख से अधिक अभ्यर्थियों में 6.23 लाख अभ्यर्थी (62 फीसदी) उपस्थित रहे। परीक्षा में रविवार को भी 10 लाख अभ्यर्थी शामिल होंगे। पीईटी परीक्षा 35 जिलों में 1058 केंद्रों पर दो-दो पालियों में आयोजित की जा रही है।

पहले दिन की परीक्षा की पहली पारी में कुछ 62 फीसदी अभ्यर्थी शामिल हुए। परीक्षा की निगरानी के लिए कंट्रोल रूम बनाया गया है। इस परीक्षा के लिए कुल पांच लाख एक हजार आठ सौ 84 परीक्षार्थी पंजीकृत हुए थे जिनमें से 3 लाख 11 हजार 866 अभ्यर्थी पहले दिन की परीक्षा में शामिल हुए। परीक्षा के सकुशल आयोजन के लिए 35 अपर जिलाधिकारी, 364 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 1249 स्टैटिक मजिस्ट्रेट, 1058 सहायक केंद्र अधीक्षक, 2116 परीक्षा सहायक, 41,284 कक्ष निरीक्षक, 5483 अतिरिक्त कक्ष निरीक्षक समेत कुल 80,274 कर्मियों की तैनाती की गई है। इसके साथ ही जिला व पुलिस प्रशासन भी सक्रिय है। आयोग के अध्यक्ष प्रवीर कुमार ने बताया कि परीक्षा में पहली बार बायोमैट्रिक आधारित फेस रिक्गनिशन अटेंडेंस होगी। इससे किसी दूसरे के स्थान पर परीक्षा देने वाले दूसरे व्यक्ति को पकड़ा जा सकेगा। सभी केंद्रों की 24 हजार से अधिक सीसीटीवी कैमरे से निगरानी की जा रही है। इसके लिए आयोग के मुख्यालय में केंद्रीय मॉनीटरिंग सेल बनाया गया है। उन्होंने बताया कि अभ्यर्थियों की काफी संख्या को देखते हुए परिवहन विभाग ने अतिरिक्त बसों की व्यवस्था की है। उन्होंने कहा कि लखनऊ में रविवार को भारत-इंग्लैंड के मैच को देखते हुए अभ्यर्थियों को थोड़ा पहले निकलने की सलाह दी जाती है। वहीं जिन पॉलीटेक्निक संस्थानों में प्रवेश के मद्देनजर डाक्यूमेंट वेरीफिकेशन हो रहा था। वहां केंद्र बनाए जाने के बाद इनके डाक्यूमेंट वेरीफिकेशन के लिए जिले में अन्य केंद्र प्राविधिक शिक्षा विभाग ने बनाए हैं।

चलेंगी परीक्षा स्पेशल बसें व ट्रेनें

पीईटी परीक्षा के अभ्यर्थियों के लिए रोडवेज व रेलवे प्रशासन शनिवार व रविवार को परीक्षा स्पेशल बसें व ट्रेनें चला रहा है। बसें आलमबाग, चारबाग, कैसरबाग और अवध बस स्टेशन से औरैया, ललितपुर, झांसी, उन्नाव, सीतापुर, रायबरेली, अयोध्या, कानपुर के बीच चलाया जाएगा। परिवहन निगम के टोल फ्री नंबर 18001802877 पर बसों की जानकारी ली जा सकती है। महिला अभ्यर्थी 8114277777 नंबर पर फोन कर बसों की जानकारी ले सकती हैं। शुक्रवार को परिवहन निगम ने एमडी मासूम अली सरवर ने प्रदेश के 35 क्षेत्रों के क्षेत्रीय प्रबंधकों व सहायक क्षेत्रीय प्रबंधकों को बसें उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

बसें 28 व 29 अक्तूबर की सुबह से दोपहर और शाम से रात तक उपलब्ध रहेंगी। उधर, रेलवे प्रशासन परीक्षा स्पेशल ट्रेनें चला रहा है। इसके अतिरिक्त चारबाग से दो स्पेशल ट्रेनें चलेंगी, जो रायबरेली व अयोध्या रूट के लिए होंगी।

वहीं वाराणसी से पूर्वांचल के लिए ट्रेन चलेगी।

बनारस में सर्वाधिक अभ्यर्थी

पीईटी में बनारस में एक पाली में सर्वाधिक 34248 अभ्यर्थी 68 केंद्रों पर परीक्षा देंगे। वहीं कानपुर नगर में 68 केंद्र पर 33720 अभ्यर्थी, आगरा में 61 केंद्र पर 28776, मेरठ में 56 केंद्र पर 27864, गोरखपुर में 57 केंद्र पर 27672, प्रयागराज में 54 केंद्र पर 25296, लखनऊ में 49 केंद्र पर 24744, मुरादाबाद में 47 केंद्र पर 22224 अभ्यर्थी एक पाली में परीक्षा में शामिल होंगे।

जानकी सेना संगठन द्वारा सुंदरकांड का ऐतिहासिक विश्व रिकॉर्ड, OMG की टीम द्वारा प्रमाणीकरण भी प्रदान किया

क्यूँ न लिखूँ सच
राजकुमार शर्मा (कटारे)

शिवपुरी। अखिल भारतीय जानकी सेना संगठन द्वारा शहर के मध्य स्थित पोलो ग्राउंड में एक साथ 1200 जोड़ो को साथ बिठाकर सुंदरकांड का आयोजन किया गया, जिसमे बड़ी संख्या में मध्य प्रदेश के अन्य जिलों से भी लोगों ने आकर सुंदरकांड का पाठ किया । आयोजन में लगभग 10000 लोगो के द्वारा एक साथ सम्मिलित होकर पाठ किया अखिल भारतीय जानकी सेना के तत्वाधान में यह एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड बन गया है। जिसे महाराष्ट्र से पधारे विश्व रिकॉर्ड प्रदान करने वाली टीम OMG के द्वारा विश्व रिकॉर्ड की संज्ञा दी गई है। इस मौके पर पूरे भारत वर्ष से पधारे हुए साधु संतो ने भी भाग लिया।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच
को जिला एवं तहसील स्तर पर
ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन
प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

ग्रामीण महिलाओं को नए बिजली कनेक्शन पर मिलेगी 33 फीसदी छूट, नई दरों पर भी होगी चर्चा

अब उपभोक्ता परिषद की मांग को देखते हुए ग्रामीण महिलाओं के नया कनेक्शन लेने पर 33 फीसदी और शहरी महिलाओं को 15 फीसदी छूट देने का मुद्दा भी एजेंडे में शामिल कर लिया गया है। प्रदेश में नए बिजली कनेक्शन की दरों, उपभोक्ता सामग्री की दरों आदि को लेकर बनने वाली नई कॉस्ट डाटा बुक को अंतिम रूप देने की तैयारी शुरू हो गई है। इसे लेकर 30 अक्तूबर को इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई रिव्यू पैनल सब कमेटी की बैठक होगी। ग्रामीण महिलाओं के नया कनेक्शन लेने पर 33 फीसदी और शहरी महिलाओं को 15 फीसदी छूट देने का मामला भी बैठक के एजेंडे में शामिल किया गया है। नई कॉस्ट डाटा बुक तैयार करने से पहले रिव्यू पैनल सब कमेटी की बैठक में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की जाती है। इसमें उपभोक्ता परिषद व पावर कॉरपोरेशन सहित सभी अपना-अपना पक्ष रखते हैं। 30 अक्तूबर को होने वाली बैठक में अभी तक नए बिजली कनेक्शन को लेकर बनने बाले एस्टीमेट, नए बिजली कनेक्शन शुल्क, उपभोक्ता सामग्री की दरों आदि का मुद्दा ही रखा गया था। अब उपभोक्ता परिषद की मांग को देखते हुए ग्रामीण महिलाओं के नया कनेक्शन लेने पर 33 फीसदी और शहरी महिलाओं को 15 फीसदी छूट देने का मुद्दा भी एजेंडे में शामिल कर लिया गया है। विद्युत नियामक आयोग सभागार में होने वाली बैठक की अध्यक्षता विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष अरविंद कुमार करेंगे। सभी बिजली कंपनियों के प्रबंध निदेशकों, पावर कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक, राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष व इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई कोड रिव्यू पैनल सब कमेटी के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा, नोएडा पावर कंपनी के प्रबंध निदेशक, विद्युत सुरक्षा निदेशक को बैठक में भाग लेने के लिए पत्र जारी कर दिया गया है। नहीं होने दी जाएगी मनमानी बढ़ोत्तरी पावर कॉरपोरेशन की ओर से नई कॉस्ट डाटा बुक में नए बिजली कनेक्शन की दरों में 30 से 35 फीसदी बढ़ोत्तरी, उद्योगों की सिक्योरिटी राशि में भारी वृद्धि के चलते उनके नए बिजली कनेक्शन की दरों में 100 प्रतिशत बढ़ोत्तरी का प्रस्ताव दिया गया है। उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा का कहना है कि उनकी कोशिश होगी कि दरों में बढ़ोतरी न होने पाए। प्रस्तावित बढ़ोत्तरी में काफी विसंगतियां हैं। पावर कॉरपोरेशन ने मनमाने तरीके से आयोग को प्रस्ताव दिया है, जिसे किसी भी स्तर पर लागू नहीं होने दिया जाएगा।

Eat these things during Karva Chauth Sargi, you will remain full of energy during the fast.

Karwa Chauth 2023 After just a few days, women will observe the fast of Karwa Chauth. In such a situation, preparations for this festival are going on in full swing. Various types of things are seen in the market also for Karva Chauth fast. Women are buying them very fondly, but it is also important to keep the body energetic during this fast. In such a situation, we will tell you what things to eat in Sargi. Eating Sargi has special significance in Karva

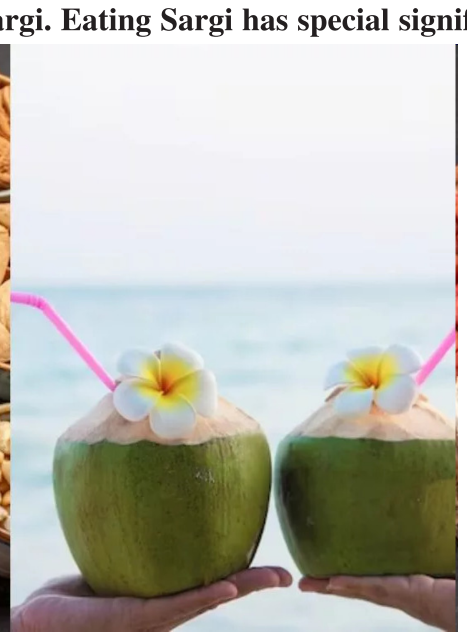

Chauth. Include healthy things in the sargi plate. Let us know, what to eat in Sargi to stay energetic during the fast. Karva Chauth is a beautiful festival of love, trust, attachment, devotion and unbreakable bond of husband and wife, in which all the wives observe Nirjala fast wishing long life of their husbands. Keep it and break their fast after seeing the moon at night. In such a situation, without eating or drinking anything, women start feeling weak and some women even work. In such a situation, they have to go to their work even on fasting days. To do this, they need a lot of energy. This is why the importance of Sargi performed before Karva Chauth increases for us even more. Sargi is performed on the day of fast itself, between 4 and 5 in the morning, before sunrise. Before fasting, we should pay attention to our sargi food. For this, we should eat simple food the night before, so that we will not have the problem of gas and acidity, nor will there be any fear of nausea, and also we should consume some such things in the morning sargi, which will keep us full of energy throughout the day. Stay and we don't even feel thirsty. So let us know what we should eat in Sargi, so that we do not feel weakness during the fast. Eat these things in Sargi and things made from milk - If you want that you do not feel hungry or thirsty during Karva Chauth fast and do not feel weakness. , then eat things made from milk, if possible you can eat rasgulla, rasmalai or vermicelli. These are also easily digestible and will make you feel energetic throughout the day. If you do not feel like eating this, you can also drink a glass of hot milk with a handful of dry fruits, which will give you energy. Curd Sugar- Curd Sugar is considered auspicious for every work in our country. If you are healthy, you can eat a bowl of fresh curd. Eat fruits- During Sargi, definitely eat seasonal fruits like banana, papaya, pomegranate, berries or apple. First of all, they are easily digestible and on top of that, the fiber and vitamins present in them keep us fresh throughout the day during the fast. This also makes the stomach feel full, but keep in mind that eating fruits without eating anything can cause acidity problems, so eat fruits only after eating something light. Coconut Water- Drinking coconut water during Sargi is very energizing. It cools your stomach and the minerals present in it keep you hydrated.

Get Ayushman card made soon, you will get full benefit of Rs 5 lakh, know the method.

Whether you live in urban areas or rural areas, if you are eligible for any scheme then you can join it. The government also runs many types of schemes, which include many schemes like pension, ration, housing, insurance, employment etc. One such scheme is Ayushman Bharat

Yojana, whose name has been changed to 'Ayushman Bharat Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana-Chief Minister Yojana'. By joining this scheme, you can avail free treatment up to Rs 5 lakh. Provided you are eligible for this scheme, then let us know how eligible people can get Ayushman card made. What is the scheme and benefits? Under this Ayushman Yojana, cards of eligible people are made. After this, the cardholder can get free treatment up to Rs 5 lakh in the listed hospitals through this Ayushman card. The government bears the entire cost of this treatment. First know who is eligible - If we talk about eligible people, then those people who live in rural areas, people who are daily wage laborers, people who belong to Scheduled Caste or Tribe are eligible for the scheme. At the same time, people who are landless, destitute or tribal, who have a disabled member in their family or if your house is unbuilt etc., then they are eligible under the scheme. Ayushman card can be made like this:- First of all you have to go to your nearest public service center - go here and meet the concerned officer and give your documents - then your documents and eligibility will be checked. If everything is found correct, your Ayushman card is made.

Useful news: If the police does not listen to your voice, then who can you complain to? Know the rules here

If you have any problem, someone is harassing you, someone is threatening you, if your house has been stolen etc. You can take help of police in any situation. For this, police posts have been set up at various places. Where you can go and lodge your complaint and the

police has to help you. But it cannot be denied that sometimes the police, which helps people, does something to them, which makes their image look bad. In such a situation, if the police ever does something wrong with you, then you should know where you can complain to the police. So let's know about this. You can complain here - Actually, if you have any complaint against the police or you have been harassed by the police etc. In such a situation, you can complain to the police in other police departments. You are free to make your complaint here. Vigilance Department - There is a department in the police itself called Vigilance Department. If someone takes bribe from you or does not perform his duty, then in such a situation you can complain about that policeman here. In this you are given proper help. Police Complaint Authority- At the same time, the Supreme Court had directed to constitute a Police Complaint Authority for every state. There is no interference of any kind from the police officers or even the state government in this. When the police is threatening to implicate you in a false case or is not helping you etc. In such a situation, you can complain here. However, it cannot be denied that not all states have constituted Police Complaint Authority. But in the states where this facility is available, you can give your complaint in writing in which you have to explain your point of view. After this, if the policeman is found guilty, action can be taken against him.

If the couple wants to get a pre-wedding photoshoot done, then these romantic places will be the best.

At weddings, many photographs of the bride and groom along with family members, friends and relatives are clicked. To refresh the memories of each and every function of the wedding, the cameraman or drone captures the entire wedding in their cameras. After marriage, you remember your special day by looking at these pictures, but now a new trend has come, that of pre-wedding photoshoot. At weddings, the couple's family and relatives are in all the photographs. Couple poses of husband and wife are rare. Even if they are, all the pictures are taken in the same type of clothes which they wear at the time of marriage. But before marriage, the bride and groom get their couple photos clicked. In a romantic atmosphere, they give their favorite poses while expressing love or having fun with each other. He does all this in the pre-wedding photoshoot. Now the question is where to get the couple pre-wedding

photoshoot done? There are many beautiful and romantic places where couples can get their photos clicked before marriage. These locations are perfect for pre wedding photoshoot. Let us know about the best places for pre-wedding photoshoot in India. Humayun's Tomb - If you are a resident of Delhi NCR, then Humayun's Tomb will be the best place for a photoshoot. Here you can get a photoshoot done anywhere in the entire area. Holding hands with your partner, you can give a more romantic pose than the other. Hauz Khas Village- Hauz Khas Village located in South Delhi can also provide the perfect background for an outdoor pre-wedding shoot. Here, amidst the beauty of the historical fort and the lake, when the couple will be seen gazing into each other's eyes in the pictures, that moment will become memorable for them forever. Lodhi Garden - You can also meet your partner in the Lodhi Garden of Delhi itself. You can get a photoshoot done before the wedding. Here, if you get photos clicked in monuments like Mohammad Shah's Tomb, Sikandar Lodhi's Tomb, Sheesha Gumbad and Bara Gumbad, then an atmosphere like a royal couple will be created.

Aditi fell in love with this actor at a young age, divorced after two years of marriage

Aditi Rao Hydari Birthday Special Aditi Rao Hydari has been in the news more for her personal work than her films. Be it their royal family or their marriage and divorce. The actress is celebrating her 38th birthday on 28th October. Famous actress Aditi Rao Hydari of Hindi and South film industry has been in the news more for her personal work than her films. Be it their royal family or their marriage and divorce. The actress is celebrating her 38th birthday on 28th October and on the occasion of this birthday, we are telling you some special things related to her life. Aditi Rao Hydari is a princess in real life - Everyone knows that Aditi is a princess in real life. Aditi's mother belonged to the royal family. The actress's maternal grandfather was J Rameshwar Rao, the king of Wanaparthy, Telangana. Not only this, actress Akbar Hydari is the great granddaughter and also the grand niece of former Assam Governor Mohammad Saleh Akbar Hydari. Aditi's mother and father had a love marriage, but it did not last long. She was two years old when her parents divorced and the actress chose to live with her mother. Marriage at a young age and then divorce - When Aditi Rao was just 17 years old, she fell in love with actor Satyadeep Mishra. The two got married after four years of dating. In those days, the actress was only 21 years old, but their marriage lasted only for two years and then both of them got divorced. The actress kept this fact hidden for years.

In the year 2013, the actress broke her silence on this. During an interview, Aditi revealed that they have now separated after two years of marriage. Now the actress is dating this actor - After years, love has once again blossomed in the actress's life. The actress has been dating well-known actor Siddharth for the last two years. Both have been spotted together many times. However, both of them are maintaining silence about their relationship. Both were also seen together in the 2021 film Maha Samudram. The chemistry of both of them in this romantic film was amazing. Aditi Rao Hydari's acting career - Aditi Rao Hydari may have worked in less films on screen, but she has created a distinct identity for herself with the films in which she has acted. Be it Alauddin Khilji's wife Mehrunisa in Padmaavat or journalist Aditi in Rockstar. Let us tell you, Aditi started her career in the year 2006 with the Malayalam film Prajapati. His first Hindi film was Delhi 6.

Friendship became the foundation of Anjana-Nani's relationship, this is how the actor found her love.

Superstar Shahrukh Khan's dialogue 'Pyaar Dosti Hai...' from 'Kuch Kuch Hota Hai', one of the beautiful films of Bollywood, still resonates in people's ears. People remember this dialogue whenever they lose their dear friends. But today we will remember this dialogue and neither mention Shahrukh Khan nor his love story. Today this dialogue is reminding us of the love story of South superstar Nani and his beautiful wife Anjana Yelavarti. Yes, the core of Nani and Anjana love story is their deep friendship. So today on the 11th wedding anniversary of both of them, let us know about their lovely love story full of friendship... Waiting for Nani for Anjana - The world is crazy about the superstar Nani, who has been ruling in South cinema for the last many years, but His hearts and minds are ruled by one and only Anjana Yelavarti. Nani and Anjana are one of the most talked about couples of the Telugu film industry. Both of them have spent 11 years of their life happily with each other and their love story is equally sweet and filmy. Nani, who won the heroine's heart with his sweet smile in films, had to wait a long time to win Anjana in real life. This is how the foundation of love between Nani and Anjana was laid. Nani's first meeting with Anjana took place in those days when she had no connection with the film world. Yes, Nani met Anjana when the actor used to work as an RJ in Vizag. In this first meeting, neither of them knew that one day they would swear to spend their lives together. However, the foundation of Nani and Anjana's love was laid the day they became friends. Both of them soon became friends after their first meeting. Gradually, both of them started meeting each other as friends and this friendship between Nani and Anjana soon turned into love. Decision of marriage taken after dating for five years - Love to climb the ladder of friendship By the time Nani and Anjana took their first step towards love, both of them had started understanding each other very well. That understanding, love and respect for each other deepened over the following five years. After dating for five years, Nani and Anjana understood that they were made for each other. In such a situation, both of them had decided to take their relationship one step further. As Nani and Anjana's relationship became serious, both of them started trying to bring their families closer. Together forever - Nani and Anjana tried hard to get the approval of their families. And finally both their efforts bore fruit. After this, Nani and Anjana finally united forever on 27 October 2012. Only close friends and family members attended their wedding. After about five years of marriage, a little prince was born to both of them. Nani and Anjana still love each other as much as they used to love each other. Anjana supported Nani a lot during her struggling days.

If you want to look beautiful this festive season, then follow this saree look of Tejashwi Prakash.

Tejasswi Prakash Saree Looks The coming month of November is full of festivals. In such a situation, everyone wants to look beautiful in the festive season. If you also want to look gorgeous this festive season, then you can follow Tejasvi Prakash's latest saree look. Tejasvi Prakash is a well-known name on the small screen. He has lakhs of fan following on social media. The actress wins everyone's heart with her excellent acting. Along with acting, Tejashwi is also a fashionista. She is often seen in western to ethnic looks. Now the actress is showing her best ethnic fashion look by wearing a saree in this festive season. Recently, Tejasvi Prakash has got her photoshoot done wearing a saree, which everyone is liking. In such a situation, if you are also thinking of wearing a saree this festive season, then you can try this look of Tejasvi Prakash. Tejasvi's saree look is best for the festive season. Tejasvi Prakash shared some of her pictures in saree on her social media handle. Are. This new photoshoot of the TV actress in a stylish saree is giving festive vibes. It can be seen in the photos that Tejashwi is seen wearing a green printed saree. The actress looks very beautiful and cool in a layered and frills saree. Tejasvi Prakash is wreaking havoc wearing a green and pink colored printed saree. She is wearing a mirror work blouse with this saree, which is adding charm to her look. Along with this, she has carried her saree with a belt, which looks quite stylish. Let us tell you that such frill and layered sarees are best for this festive season. Tejasvi Prakash completed her saree look with nude-lip shade and glossy makeup. During this, she was also wearing a choker set around her neck and green bangles in her hand. Fans are also liking this look of hers a lot. Everyone is praising her look in the comment section.